संजय गुप्ता पेश करते हैं

बांकेलाल और कलियुग

हास्य सम्राट बांकेलाल का मल्टी स्टार हास्य कॉमिक

● लेखक : तरुणकुमार वाही। ● हास्य सलाहकार : विवेक मोहन।
● चित्रांकन : प्रेम। ● इंकिंग : प्रिया 'शिखा' ● कैमीग्राफी : अनु।
● रंग संयोजक : रिंकू। ● संपादक : मनीष गुप्ता।

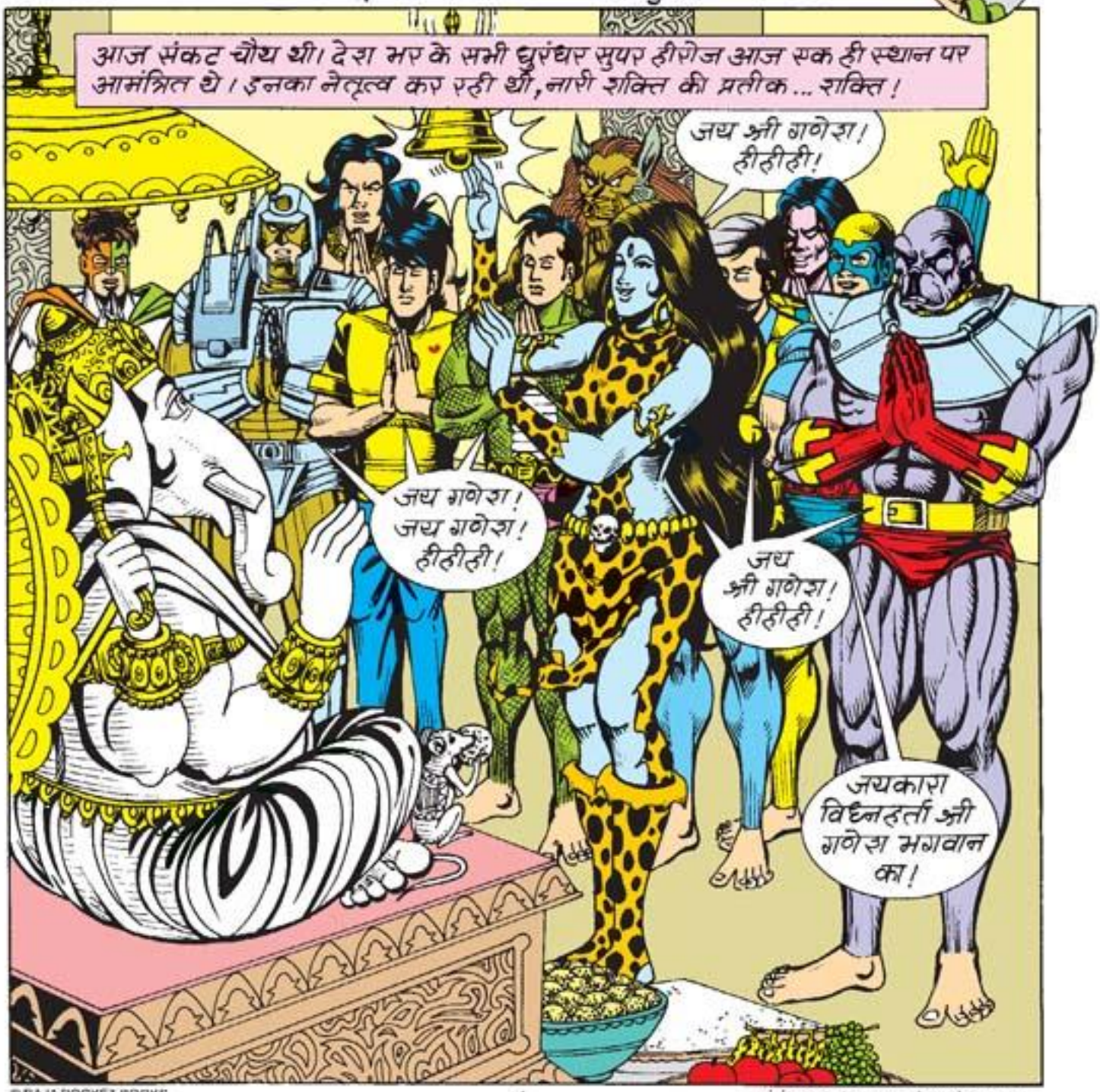

© RAJA POCKET BOOKS

visit us at: www.rajcomics.com
email: rajcomics2000@yahoo.co.in.

स्नेकमैन नागराज, ध्रुव, वण्डरमैन परमाणु, रात का रक्षक डोगा, ट्रेजेडी किंग गमराज, जंगल के जल्लाद कोबी और भेड़िया, जिंदा मुर्दा ऐंथोनी, देशभक्त डिटेक्टिव तिरंगा, इंस्पेक्टर स्टील और नारी शक्ति की प्रतीक खुद में शक्ति! हमने देश के विभिन्न महानगरों व राज्यों में अपराध के समूल नाश की प्रतिज्ञा ली है।
ये कार्य अत्यंत जोखिम से भरा है। किंतु मानवता की भलाई के लिए हम अपनी आखिरी सांस तक भी जुल्म के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। ही-हीही!

इस राह में अनेक बार ऐसी कठिनाइयां व संकट आ खड़े होते हैं कि हमें अपने प्राण बचाने दूभर हो जाते हैं।
कल रात मुझे शंकर भगवान जी ने स्वप्न में दर्शन दे कर सभी सुपर पावर्स को यहां पर एकत्रित करने और संकट चौथ का व्रत रखने का आदेश दिया। हीहीही!

Now Raj Comics available on indiatimes.com

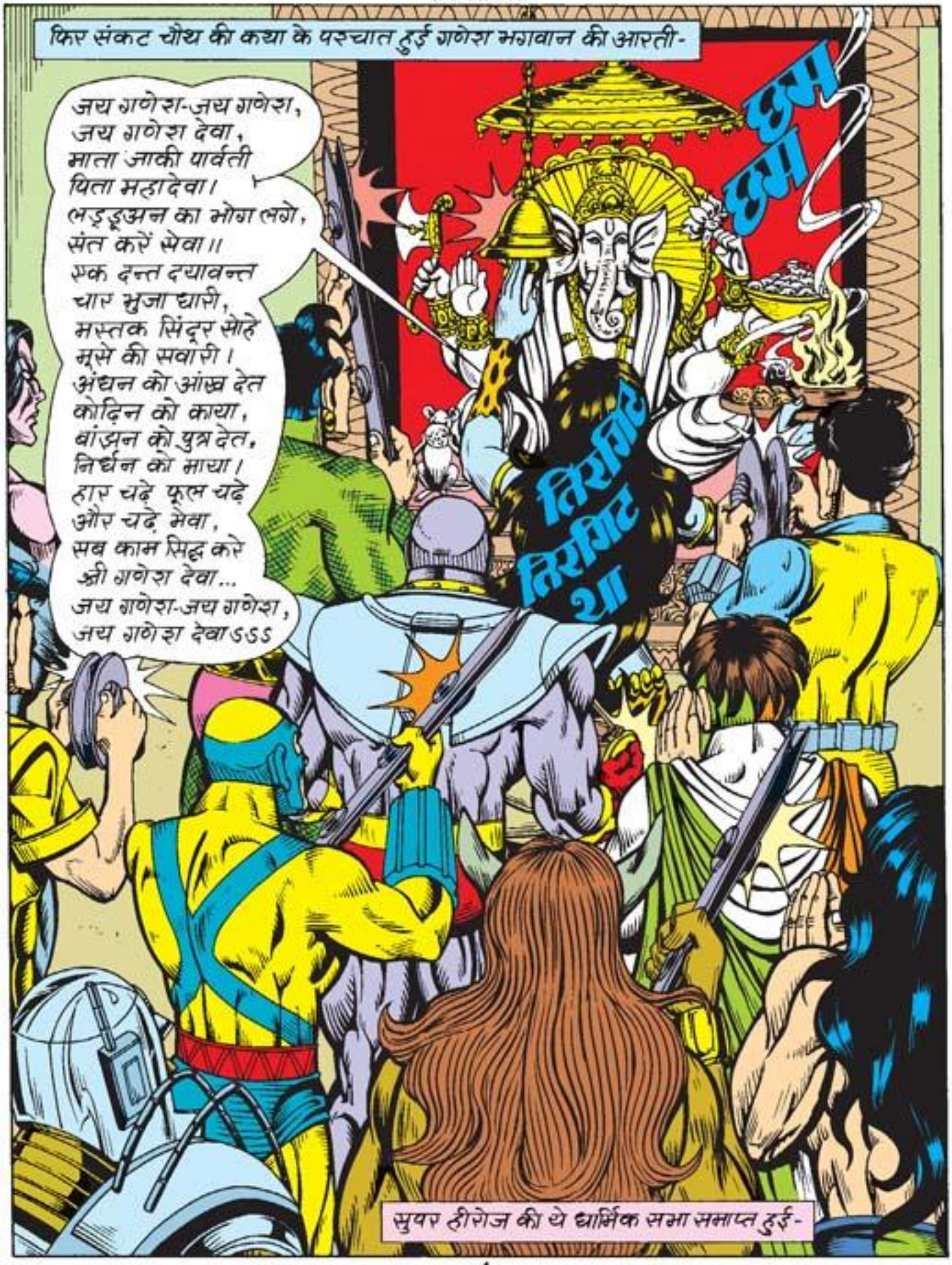
फिर संकट चौथ की कथा के पश्चात हुई गणेश भगवान की आरती-
जय गणेश-जय गणेश,
जय गणेश देवा,
माता जाकी पार्वती
पिता महादेवा।
भड़ूआन का भोग लगे,
संत करें सेवा॥
एक दन्त दयावन्त
चार भुजा धारी,
मस्तक सिंदूर सोहे
मूसे की सवारी।
अंधन को आंख देत
कोढ़िन को काया,
बांझन को पुत्र देत,
निर्धन को माया।
हार चढ़े फूल चढ़े
और चढ़े मेवा,
सब काम सिद्ध करे
श्री गणेश देवा...
जय गणेश-जय गणेश,
जय गणेश देवाऽऽऽ
धम धम
तिरगिट तिरगिट था
सुपर हीरोज की ये धार्मिक सभा समाप्त हुई-

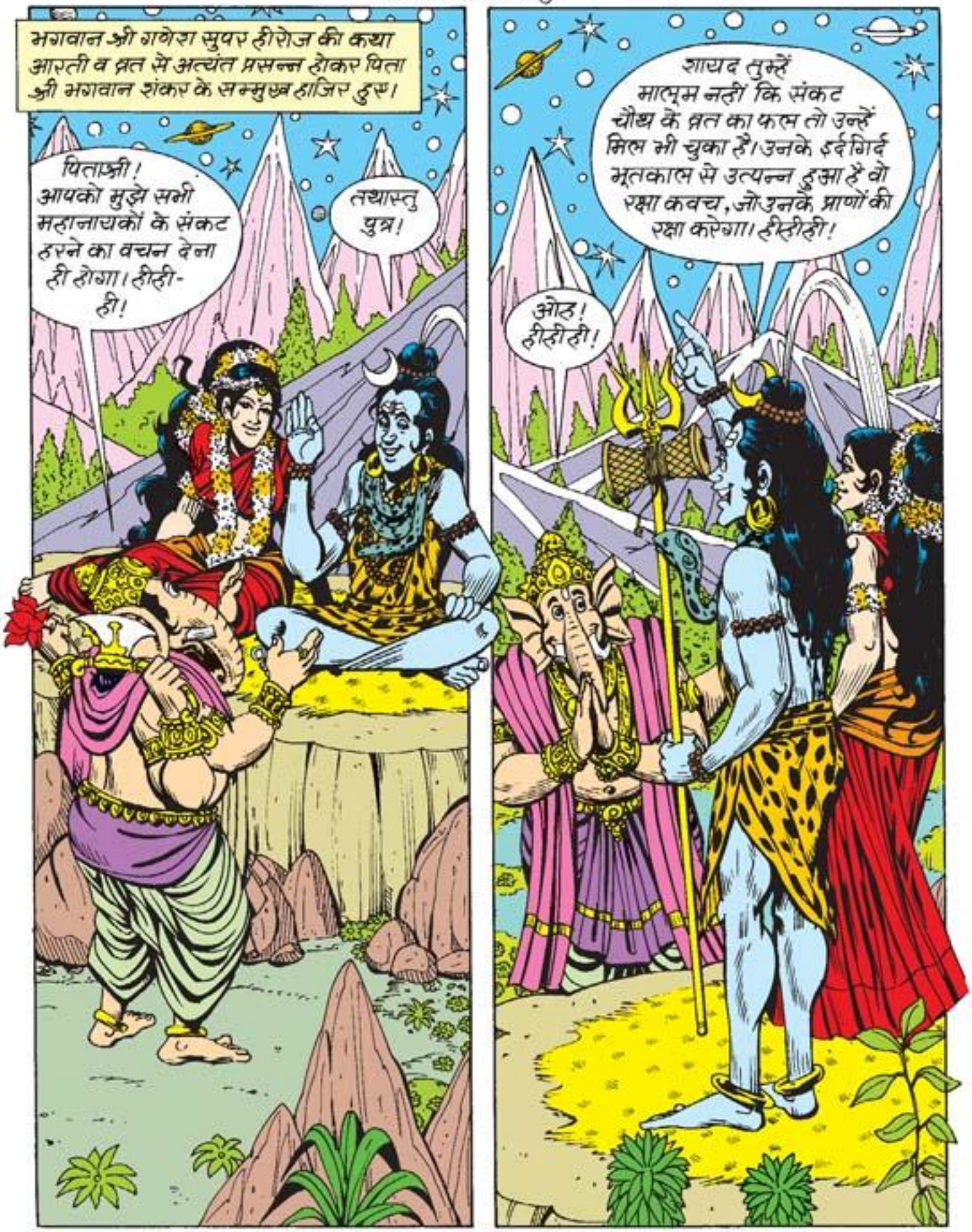
भगवान श्री गणेश सुपर हीरोज की कथा आरती व व्रत से अत्यंत प्रसन्न होकर पिता श्री भगवान शंकर के सम्मुख हाजिर हुए।
पिताश्री! आपको मुझे सभी महानायकों के संकट हरने का वचन देना ही होगा। हीही-ही!
तथास्तु पुत्र!
शायद तुम्हें मालूम नहीं कि संकट चौथ के व्रत का फल तो उन्हें मिल भी चुका है। उनके इर्दगिर्द भूतकाल से उत्पन्न हुआ है वो रक्षा कवच, जो उनके प्राणों की रक्षा करेगा। हीहीही!
ओह! हीहीही!

महासागर की दो पुत्रियों सुनामी और कारनामी के बीच बर्तन मांझने को लेकर हुआ झगड़ा। कारनामी बदनामी के नाम से कुप्रसिद्ध हो गई। महासागर ने बदनामी की हरकतों से क्रुद्ध होकर उसे बादलों में कैद कर दिया। बांकेलाल ने बचाई उसकी जान और तब उसने बांकेलाल को दी जलमुद्रिका जिसे पहनकर बांकेलाल महासागर में उतरकर वहां से हीरे-मोती ला सकता था। किंतु बांकेलाल ने रचा षड्यंत्र और राजा विक्रम-सिंह को डुबोने ले चला। राजा को बचाया विशाल कछुवे का रूप धरे महासागर ने-
यह सब आपने पढ़ा पूर्व प्रकाशित कॉमिक 'हरी जलपरी' में-

महासागर ने विक्रमसिंह को बताया-

ये संकट एक अकेले मेरा नहीं है। मेरी पुत्री कारनामी, जो अब बदनामी के नाम से कुप्रसिद्ध हो चुकी है, वो भंवर के साथ मिल गई है।

पूरी पृथ्वी का एक तिहाई भाग जल-मग्न है। वो दोनों चाहें तो पूरी पृथ्वी पर प्रलय मचा सकते हैं।

मेरी दूसरी बेटी सुनामी को भी भंवर उठा ले गया है।

हमें इस संकट के समाधान के लिए आपकी मदद की आवश्यकता है।

संकट का समाधान करेंगे पंचऋषि और बांकेलाल! हीहीही!

बांकेलाल को तोतले पाथू पत्थर देवता का वरदान प्राप्त होता है कि यदि वह पांच ऋषियों गोकुल-पुरी, मौजपुरी, मायापुरी, मंगोलपुरी और कल्याणपुरी के सिर काट दे तो राजयोग पैदा हो सकता है।

बांकेलाल ने वैसा ही किया-

क्रोधित होकर पंचऋषि ने बांकेलाल को शाप दिया कि यदि वो भविष्य से पांच ऐसे लोगों के सिर का एक-एक बाल लेकर नहीं आया जो कि मानवता की भलाई के कार्यों में लगे हों, तो उसकी मृत्यु निश्चित है।

बांकेलाल भविष्यागार में गिरा और चल पड़ा भविष्य की ओर बाल लाने-

भविष्य में बांकेलाल कहां जाकर गिरेगा, ये जानने के लिए पढ़िये प्रस्तुत कॉमिक हरी जल परी-

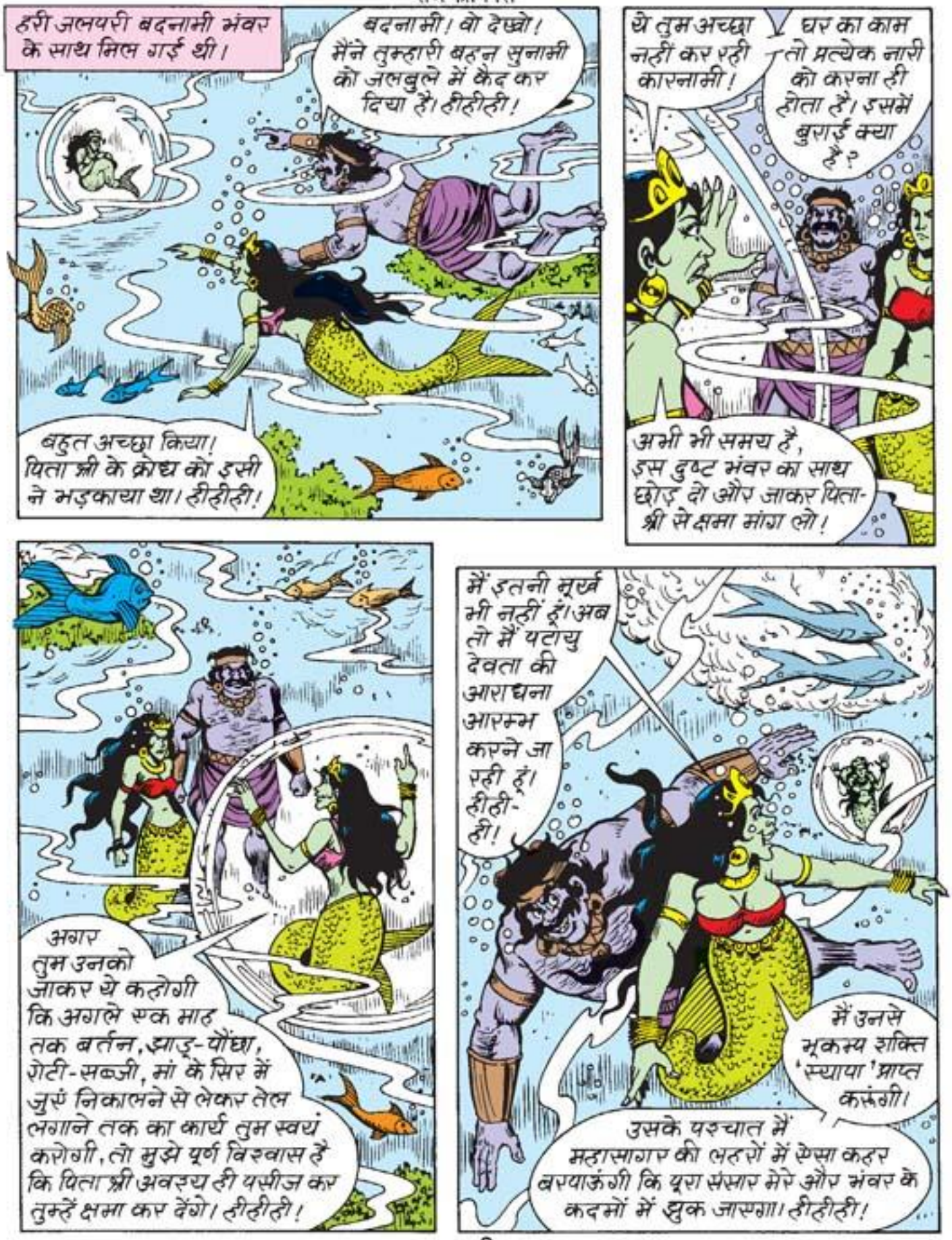
हरी जलपरी बदनामी भंवर के साथ मिल गई थी।
बदनामी! वो देखो! मैंने तुम्हारी बहन सुनामी को जलबुले में कैद कर दिया है। हीहीही!
बहुत अच्छा किया! पिताश्री के क्रोध को इसी ने भड़काया था। हीहीही!
ये तुम अच्छा नहीं कर रही कारनामी!
घर का काम तो प्रत्येक नारी को करना ही होता है। इसमें बुराई क्या है?
अभी भी समय है, इस दुष्ट भंवर का साथ छोड़ दो और जाकर पिता-श्री से क्षमा मांग लो!
अगर तुम उनको जाकर ये कहोगी कि अगले एक माह तक बर्तन, झाड़-पौंछा, रोटी-सब्जी, मां के सिर में जुएं निकालने से लेकर तेल लगाने तक का कार्य तुम स्वयं करोगी, तो मुझे पूर्ण विश्वास है कि पिताश्री अवश्य ही पसीज कर तुम्हें क्षमा कर देंगे। हीहीही!
मैं इतनी मूर्ख भी नहीं हूं। अब तो मैं पटायु देवता की आराधना आरम्भ करने जा रही हूं। हीही-ही!
मैं उनसे मूकम्य शक्ति 'स्यापा' प्राप्त करूंगी।
उसके पश्चात मैं महासागर की लहरों में ऐसा कहर बरपाऊंगी कि पूरा संसार मेरे और भंवर के कदमों में झुक जाएगा। हीहीही!

बदनामी ने शीघ्र ही पटायु देवता की तपस्या आरम्भ कर दी -

हे, पटायु देवता! तू कुआंरों व विवाहितों के हृदय की धड़कन है। तुझे प्रसन्न किये बिना संसार में कोई भी किसी को नहीं पटा सकता। मैं भी तन, मन और धन से तुझे पटाने म... मेरा मतलब है कि प्रसन्न करने की चेष्टाएं आरम्भ करती हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि मेरी छिछोरी हरकतों से, मेरा मतलब मेरी तपस्या से तुम अवश्य ही प्रसन्न होगे। हीहीही!

बदनामी! ये लो! देवता पटाने के 10। तरीकों की दुर्लभ पुस्तक। हीहीही!

ओह! धन्यवाद! वैसे कुछ उपाय तो मुझे भी मालूम हैं। हीहीही!

इसमें लिखा है कि मुख सौंदर्य के अलावा किसी को पटाने, मेरा मतलब प्रभावित करने के लिए अप्सरा नृत्य करना चाहिए। हीहीही!

तो फिर अप्सरा नृत्य आरम्भ करो! हीहीही!

धा! तिरकिट था! तिरकिट दुम!
तथई तथई! था था! जब कल्पना तब रूप कीऽऽऽ रचना रची जबऽऽऽ रची जब नार कीऽ ऽऽ सत्यम शिवम सुन्दरम से शोभा बढ़ी संसार कीऽऽऽ मेरी बेरी के बेर मत तोड़ो। कोई कांटा चुभ जाएगाऽऽऽ
धा धा धा! दुरकुट तिरकिट धा धा धा दुरुड़! हीहीही!
छम छम छम
ये स्वर किसका था?
बंद करो, ये वाहियात नृत्य!
ये स्वर किसका है?
ये अवश्य ही पटायु देवता का स्वर है।
पटायु देवता! क्या आप मेरे नृत्य से प्रसन्न नहीं हो रहे? बहूहूहू!
ये नृत्य तो अब प्राचीन हो गया है, बालिके! इस अप्सरा नृत्य से मुनि विश्वामित्र तो प्रसन्न हो गए थे किंतु मैं नहीं होने का। कोई दूसरा नृत्य करो! हीहीही!
तो मैं मोदक नृत्य करती हूं। ये नृत्य सिर पर रखे मोदक अर्थात लड्डू पर मदिरा का पात्र रख कर किया जाता है। और फिर नृत्य देखने वालों को मदिरा में डूबे मोदक का प्रसाद वितरित किया जाता है। ही-हीही!
ये नृत्य ढोलक की ताल पर किया जाता है। धा धा धा!
वाहियात! वाहियात! एकदम वाहियात! हीहीही! गुर्रर्रर्र!
क्या मोदक नृत्य भी पसंद नहीं आया पटायु देवता?

मोदक तो श्री गणेश का मनप्रिय मिष्ठान आहार है।
अप्पां नू ते कुछ चंगा चाहिदा हैगा ऐ। हीहीही!
कोई दूसरा नृत्य करो! हीहीही!
तो फिर ठीक है!...
...मैं मादक नृत्य करती हूं। ये नृत्य झरने के नीचे किया जाता है। राम तेरी गंगा मैली हो गई ऽऽऽ पापियों के पाप ढोते ढोते ऽऽऽ। हीहीही ऽऽऽ
धम्म धम्म धम्म
बकवास! बकवास! बिल्कुल बकवास! हीहीही! गुर्रर्रर्र!
क्या मादक नृत्य भी पसंद नहीं आया? बढ़ढ़ढ़!
तो मैं 'पाप' नृत्य करती हूं। हीहीही!
पिया तू ऽऽऽ अब तो आजा ऽऽऽ
हढ़हढ़हढ़!
मैं अभी भी नहीं पटा! हीहीही!
कुछ अच्छा चाहिए।

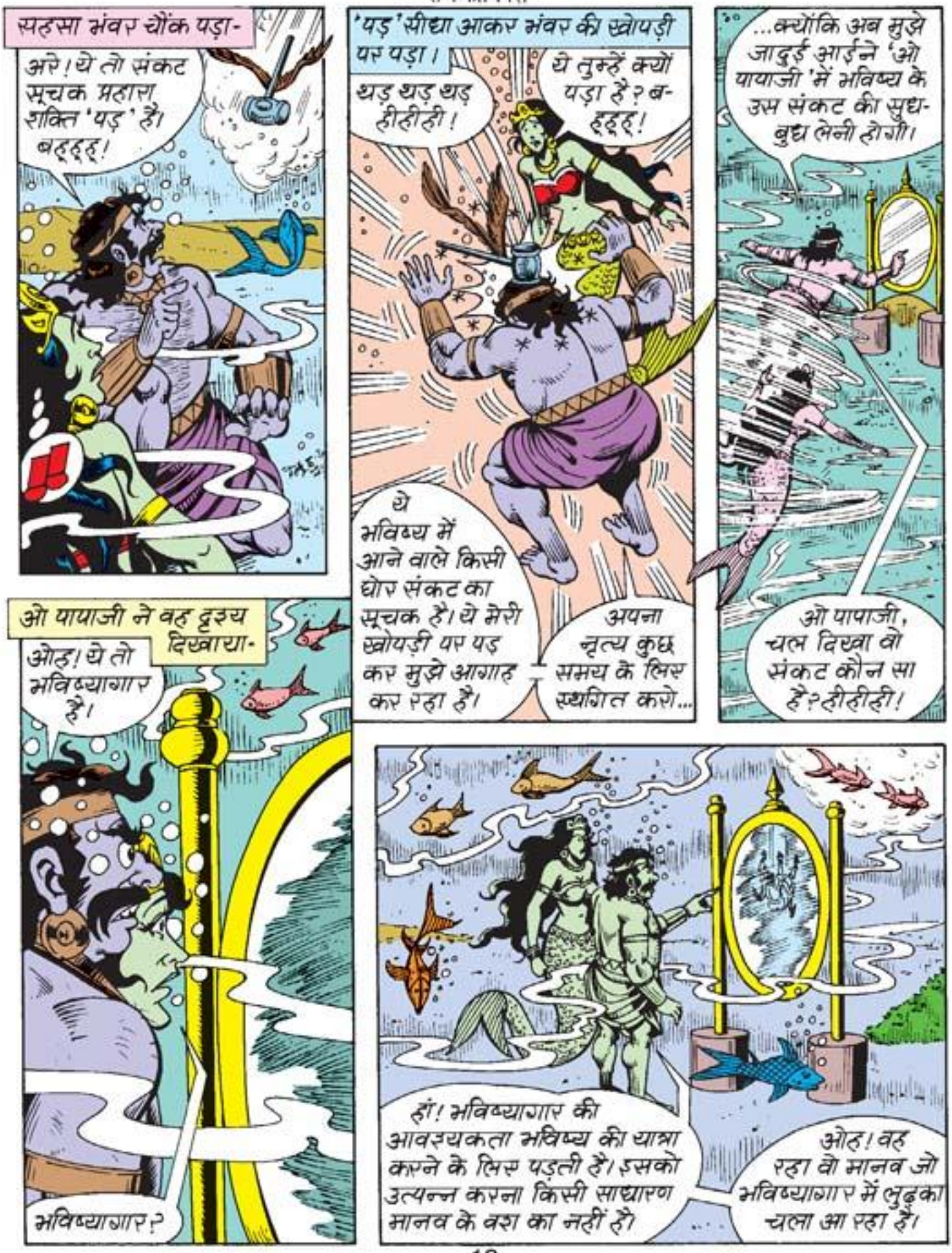

सहसा भंवर चौंक पड़ा-
अरे! ये तो संकट सूचक प्रहार शक्ति 'पड़' है! बह्ह्ह्!
'पड़' सीधा आकर भंवर की खोपड़ी पर पड़ा।
थड़ थड़ थड़ हीहीही!
ये तुम्हें क्यों पड़ा है? ब-ह्ह्ह्!
ये भविष्य में आने वाले किसी घोर संकट का सूचक है। ये मेरी खोपड़ी पर पड़ कर मुझे आगाह कर रहा है।
अपना नृत्य कुछ समय के लिए स्थगित करो...
...क्योंकि अब मुझे जादुई आईने 'ओ पापाजी' में भविष्य के उस संकट की सुध-बुध लेनी होगी।
ओ पापाजी, चल दिखा वो संकट कौन सा है? हीहीही!
ओ पापाजी ने वह दृश्य दिखाया-
ओह! ये तो भविष्यागार है।
भविष्यागार?
हाँ! भविष्यागार की आवश्यकता भविष्य की यात्रा करने के लिए पड़ती है। इसको उत्पन्न करना किसी साधारण मानव के वश का नहीं है।
ओह! वह रहा वो मानव जो भविष्यागार में भुड़का चला आ रहा है।

किंतु ये कौन है? क्योंकि यही मानव भविष्य में मेरे लिए मृत्यु का संकट बन सकता है।
ये तो...ये तो...
इसीलिए तो 'पड़' ने मेरी खोपड़ी पर पड़कर मुझे आगाह किया है। मुझे वरदान है कि संसार में कहीं भी जब कोई मेरी मृत्यु के विषय में सोचेगा भी, तो 'पड़' मुझे तुरन्त आगाह करेगा। ही-हीही!
...ये तो बांकेलाल है, जिसने शैतान जल दैत्य हुड़कचुल्लू से मेरी प्राण रक्षा की थी।
हुण आप्यां दा की होऊगा? बहूहूहू!
विशालगढ़ भविष्य में एक बहुत बड़ा विराट व शक्तिशाली देश होगा, जो भारतवर्ष के नाम से प्रसिद्ध होगा।
दुबला-पतला सा दिखने वाला ये व्यक्ति बांकेलाल वास्तव में बहुत बुद्धिमान व शक्तिशाली है।
ये भविष्यागार में क्यों जा रहा है? और इससे तुम्हें किस प्रकार का संकट हो सकता है भंवर? बहूहूहू!
मैंने अपने प्राणों को भविष्य में ही सुरक्षित कर रखा है।
भविष्य में कहां पर?
मैंने अपने प्राणों को उसी देश के कई महानगरों में रहने वाले पांच शक्तिशाली मानवों के सिरों के बालों में सुरक्षित किया है ताकि कोई भी वहां तक नहीं पहुंच सके। हीहीही!

किंतु मुझे शाप देवता ने शाप दिया था कि भविष्य में विशालगढ़ भारत में राजाओं के राज-पाट व ठाटबाट का अंत हो चुका होगा और जब वहां पर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का राज होगा, तब मेरे प्राणों पर सबसे अधिक संकट होगा।

और वो देखो! इस समय भारत में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का ही राज है, बदनामी!

और ये बांकेलाल हो न हो वहीं जा रहा है। शायद तुम्हारे पिता को इस रहस्य का पता चल गया है और उन्होंने ही बांकेलाल को भविष्य की ओर भेजा है।

बहूहूह!

इससे पहले कि बांकेलाल भविष्य में जाकर उन महाशक्तिशाली मानवों के बाल ले आने में सफल हो जाए, मैं यहां पर यटाचु देवता को प्रसन्न करके पूरी दुनिया में प्रलय मचा दूंगी। तब बांकेलाल भी कुछ नहीं कर पाएगा और हर ओर हमारा ही राज होगा। हीहीही!

बांकेलाल को देख कर मैं भी व्यर्थ ही भयभीत हो गया था।

बहुत शक्तिशाली योद्धाओं के सिर के बालों में सुरक्षित हैं मेरे प्राण!

जब तक उनके बाल सुरक्षित हैं, मैं भी सुरक्षित रहूंगा। हीहीही! और इनके बालों को भला कौन माई का लाल हाथ लगा सकता है? हीहीही!

मगर यदि उन्होंने स्वयं अपने बाल कटवा लिये तो?

किंतु फिर भी मुझे इस बांकेलाल पर नजर तो रखनी ही होगी। ये काम तो मैं कर लूंगा। अब तुम शीघ्रता के साथ फिर से यटाचु देवता को यटाने का कार्य आरम्भ कर दो। यटाचु देवता जितनी जल्दी यटेंगे, उतना ही हमारे लिए अच्छा होगा। हीहीही!

ऐसा नहीं हो सकता क्योंकि भविष्य में तभी लोग सिर मुंडवाते हैं, जबकि उनके माता या पिता का स्वर्गवास हो जाए।

जबकि ये पांचों ऐसे हैं जिनके माता-पिता हैं ही नहीं। और अपनी मर्जी से तो पांचों एक साथ गंजे होने से रहे। हीहीही!

तो फिर ठीक है। अब मैं करती हूं नृत्य। हीही-ही!
इतनी शक्ति हमें देना पटापु देवताऽऽ कि हम तुमको अति शीघ्र पटा सकें ऽऽऽ रे पटापु देवताऽऽ तेरे बंदे हमऽऽ ऐसे हों हमारे करमऽऽ बदी पर चलेंऽ ऽऽ नेकी से डरेंऽऽऽ ताकि हमें देखकरऽऽऽ लोगों के निकलें दमऽऽऽ हीहीही!
छन छनाक छन छम
छमा छमा छमा छमाऽऽऽ हीहीही!
दम तो फिलहाल बांकेलाल का निकला जा रहा था।
हे भोले शंकर! ये मुझे कहां फंसा दिया भविष्यागार में? हुण आप्यां दा की होऊगा? बहूहूहू!
भविष्यागार की ये अंधेरी सुरंग मुझे कहां ले जाकर पटकेगी?
कैसा होगा भविष्य?
कैसे होंगे वहां के लोग?
उनमें मैं खपूंगा या नहीं? बहूहूहू!
तभी गूंज उठा वह स्वर-
बांकेलाल! जब तूने सिर ओखली में दे ही दिया है तो फिर मूसल से त्यों डरता है? हीहीही!
ये कौन बोला? बहूहूहू!
मैं पाथू देवता बोल रहा हूं। मैंने तेरी तुण्डली में लाद योग पैदा करने का वरदान दिया है। वो तो पैदा होदा ही होदा। हीहीही!
मगर फिलहाल तो मेरी कुण्डली में मुझे संकट ही संकट के योग दिखाई पड़ रहे हैं। बहूहूहू!

त्यों = क्यों (तोतली भाषा)

बड़ा लक्ष्य प्राप्त करने के लिए छोटी-मोटी मुसीबतों से टकराना ही पड़ता है।

हीहीहीः तू घबरा मत, बांकेलाल ! मैं इन संकटों से तेरी थोड़ी सी मदद कर देता हूं। हीहीहीः

कैसी मदद ?

तू भविष्य में तलियुग[1] में जा रहा है, जहां का विज्ञान सैकड़ों बरस आगे का है। वहां तेरे लिए हर वस्तु नई व 'आश्चर्यजनक' होगी। तेरे लिये कुछ भी समझना मुश्किल ही नहीं असंभव, होगा।

अगर तू उन्हें समझने बैठा तो अपना उद्देश्य भूल कर उन्हें समझते-समझते ही पागल हो जाएगा। हीहीहीः

ऐसे में मैं तुझे उस युग का भौतिक व सामान्य ज्ञान दूंगा ताकि कलियुग के सभी स्थानों और वहां की सभी वस्तुओं की जानकारी तुझे उन्हें देखते ही हो जाए। हीहीहीः

चक्के पे चक्का ऽऽऽ
चक्के पे गाड़ी ऽऽऽ
गाड़ी में नितली ऽऽऽ
अपनी सवारी ऽऽऽ
थोड़े अगाड़ी
थोड़े पिछाड़ी ऽऽऽ
हीहीहीः ऽऽऽ

हुण आप्पां चलदे हैंगे आं ! हीहीहीः

धम्म

बांकेलाल का शरीर धम्म से कहीं पर टकरा चुका था।

इसके अलावा मैं तुझे यात्रा मंत्र दूंगा जिसे पढ़ते ही तू तुरन्त मनवांछित स्थान पर पहुंच जाएगा।

जब तेरा कार्य सम्पन्न हो जाए तो उसी यात्रा मंत्र के बल पर ही तू वापस विशालगढ़ भी आ पाएगा। किंतु उससे पहले नहीं। और इस कार्य को करने का जितना समय तुझे मिला है, वो समाप्त होते ही तू वो सारा ज्ञान तुरन्त भूल जाएगा।

अब सुन वो यात्रा मंत्र !

[1] तलियुग = कलियुग।

कहानी 19 पेज से जारी

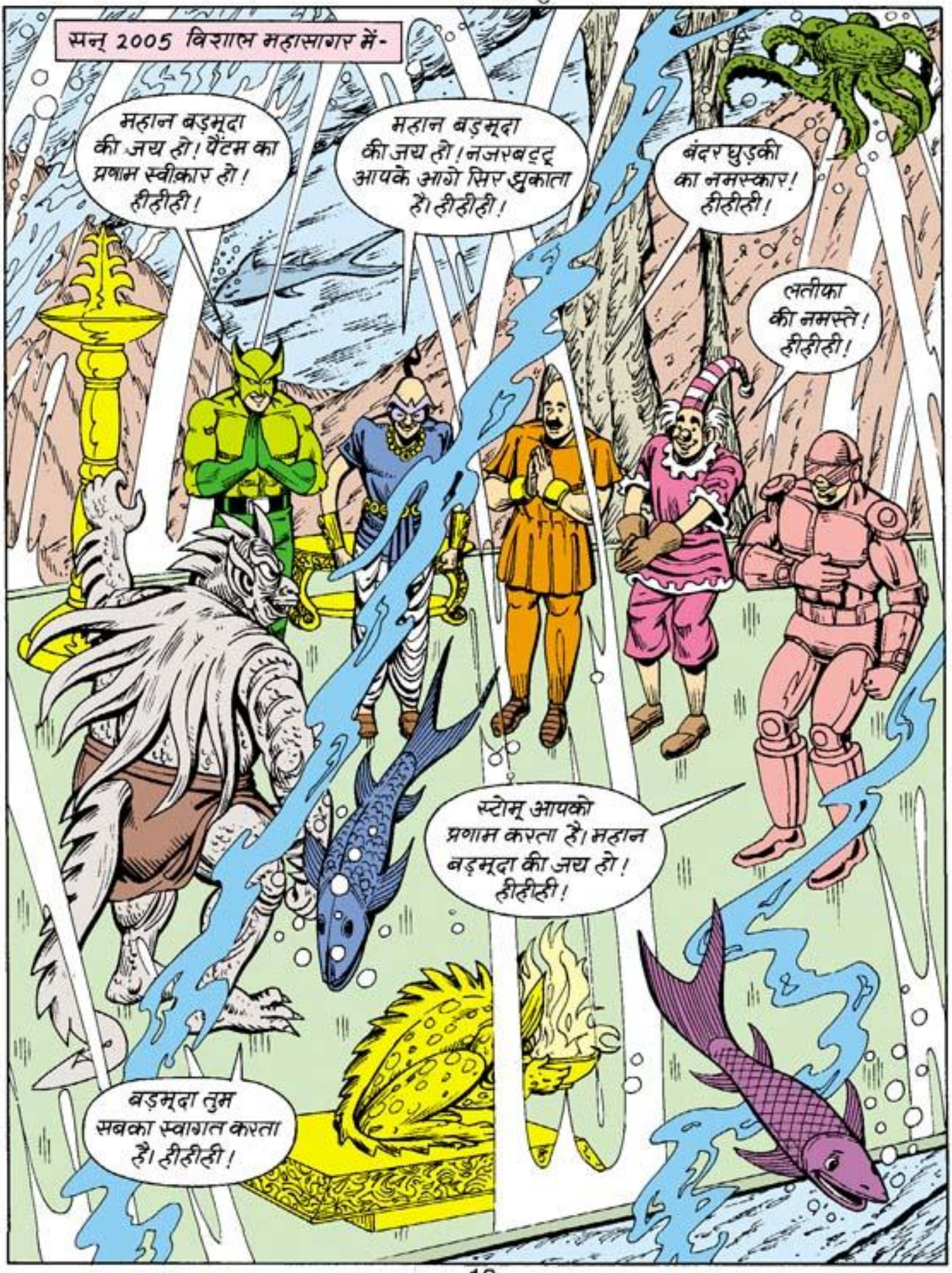
सन् 2005 विशाल महासागर में-
महान बड़मूदा की जय हो! पैंटम का प्रणाम स्वीकार हो! हीहीही!
महान बड़मूदा की जय हो! नजरबट्टू आपके आगे सिर झुकाता है। हीहीही!
बंदर घुड़की का नमस्कार! हीहीही!
प्रतीका की नमस्ते! हीहीही!
स्टोमू आपको प्रणाम करता है। महान बड़मूदा की जय हो! हीहीही!
बड़मूदा तुम सबका स्वागत करता है। हीहीही!

"एक समय था, जब इस क्षेत्र से होकर बड़े-बड़े जहाज गुजरा करते थे।"

सर! हम बड़मूदा क्षेत्र से होकर गुजर रहे हैं।

"किंतु कोई भी जहाज..."

"...या हवाई जहाज.."

"...इस क्षेत्र में मेरे फैलाए राक्षसी चुम्बकीय प्रभाव से बचकर नहीं निकल पाता था।"

बचाओ!

अबे! तुझे बचाऊं या अपने आप को?

खूब लड़ो! हीहीही! जब तुम दोनों भड़ते-भड़ते मर जाओगे तो तुम्हारी तैरती लाश पर बैठकर मैं किनारा पार कर लूंगा हीहीही!

अबे! क्या कर रहा है?

मैं तेरी ट्यूब की हवा निकाल रहा हूं। जब मैं डूब रहा हूं, तो तू क्यों बचे? हीहीही!

"जहाज डूब जाता।"

"हवाई जहाज दुर्घटनाग्रस्त होकर समुद्र की अथाह गहराइयों में खो जाता।"

सर! हवाई जहाज, जहाज बन गया। ब-हहह!

ये तो खुशी की बात है। ब-हहह! यात्रियों को मछलियां दिखाओ! हीही-ही! बहहह!

SSSS

खूंखार मछलियां तो खुद यात्रियों को देखने आ रही हैं। हीहीही! बहहह!

हो गई तेरी बल्ले बल्ले, हो जाएगी बल्ले बल्ले! हीहीही!

"मैं इस यात्रा मार्ग से गुजरते यात्रियों की नरबलियां लेने पर विवश था।"

हीहीही! हाहाहा! ये नरबलियां मुझे ताकत देती हैं।

"धीरे-धीरे यात्रियों को इस यात्रा मार्ग की भयानकता का पता चल गया।"

हम तो इस मार्ग के रहस्य का पता लगाने आए थे। मगर हमारा वायुयान भी यहां के बड़मूदा प्रभाव में आकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हुण आय्यां दा कुछ नहीं हो सकदा हैगा से। बहहह!

बड़मूदा चिंतित था।

हालत ये हो गई कि जांचकर्ताओं ने भी उस ओर आना बंद कर दिया।

हमें जीवित रहने के लिए जल-देत्य को नरबलियां देना अति आवश्यक था।

इसलिए मैंने नरबलियां लेने के लिए एक योजना तैयार की हीहीही!

"मैंने अपनी तामसी शक्तियों से एक ऐसे हथियार का निर्माण किया, जिसकी तरफ मात्र देखने से बंदा स्वंय ही मारा जाता"
हीहीही! अब ये हथियार संसार भर में हजारों लोगों को मारेगा और हमें नरबलियों की कोई कमी नहीं पड़ेगी। हीहीही!
"वो हथियार था, अपराध।"
तेरी कमीज मेरी कमीज से ज्यादा सफेद कैसे है? इसे खून से गंदा कर देता हूं। हीहीही!
धांय
आह!
"अपराध में लालच था, स्वार्थ था, हरामखोरी थी। ऐसे ही स्वभाव के लोग मेरे इस हथियार की पकड़ में आसानी से आकर अपराधी बन गए। हीहीही।"
धांय
इसने मुझे कल अपने खोमचे से मुफ्त छोले भटूरे नहीं खाने दिये थे। इसका एनकाउंटर तो मैं करूंगा ही करूंगा। हीहीही!
आह!
लेकिन बात यहीं पर ही खत्म नहीं हुई।

"अपराध सारी दुनिया में फल-फूल गया था।"
धांय
खच्चाक
आह!
"अपराध की रोकथाम के लिए पुलिस थी। मगर पुलिस अपराध का गिरेबान थाम पाने में अक्षम साबित हो रही थी।"
जिंग जिंग
जिंग जिंग
"तब ऐसे में अपराध के खिलाफ बीड़ा उठाया कुछ धैर्यवान, जोशीले, ताकतवर व बुद्धिमान युवाओं ने...।"
"इन युवाओं को कुछ वैज्ञानिक या चमत्कारी शक्तियां प्राप्त थीं।"
"इन्होंने अपराधियों की नाक में नकेल डालना आरम्भ किया।"

"लोगों ने इनको नाम दिया, सुपर हीरोज।"
हैऽऽआ गया नागराज! हमारा सुपर हीरो! अब अपराधियों की खैर नहीं। हीहीही!
हिस्स... बोल, काटूं कि छोडूं? हीहीही!
धाड़
अपराधियो! इस गन में जुलाब की गोलियां हैं...
...और इस पिस्टल में असली गोलियां।
बोलो! कौन सी खाओगे? हीहीही!
ज...जुलाब वाली ही ठीक हैं डोगा। हीहीही! बहूहूहू!
पिट पिट पिट
तो फिर मुंह खोलो! हीहीही!

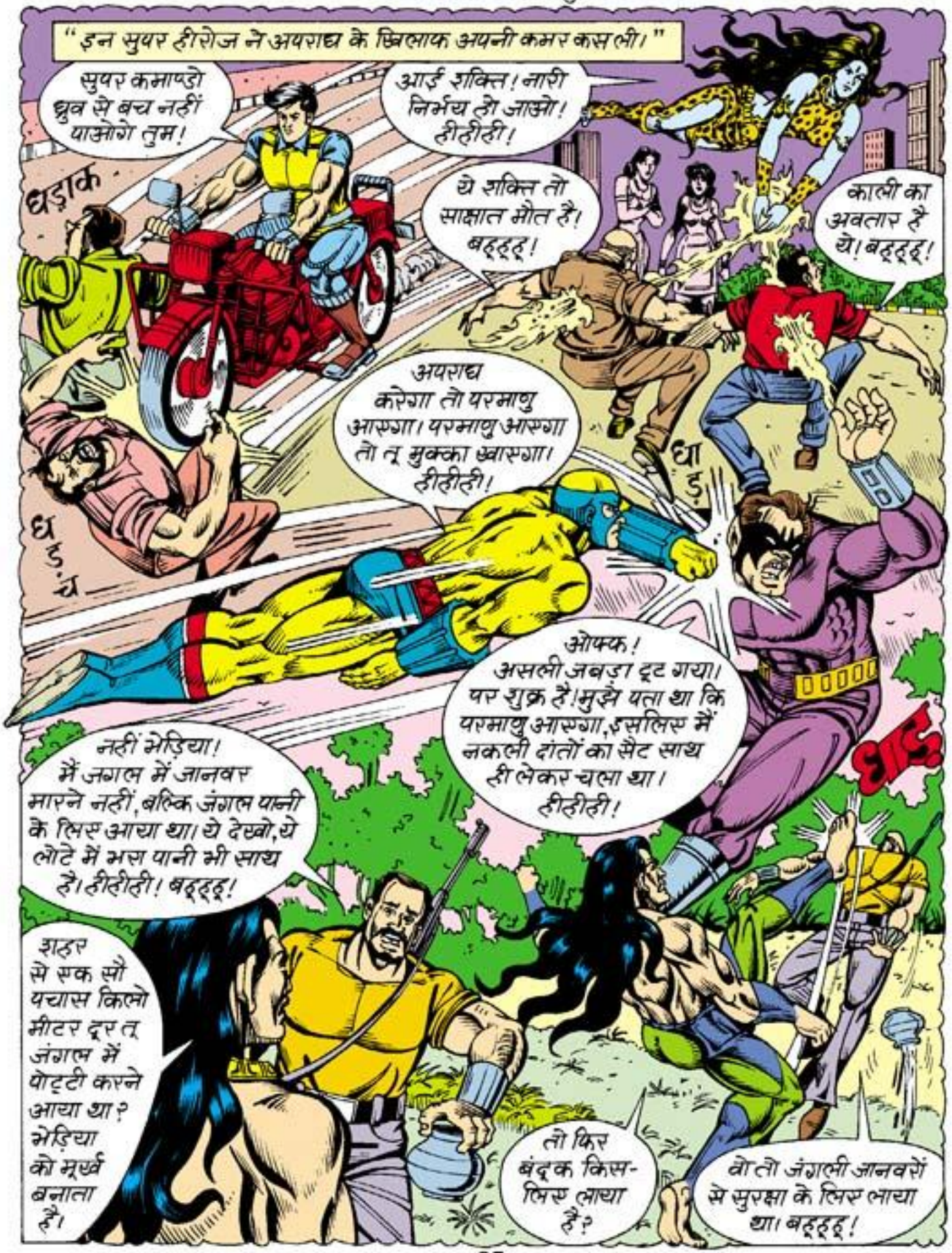

"इन सुपर हीरोज ने अपराध के खिलाफ अपनी कमर कस ली।"
सुपर कमाण्डो ध्रुव से बच नहीं पाओगे तुम!
आई शक्ति! नारी निर्भय हो जाओ! हीहीही!
धड़ाक
ये शक्ति तो साक्षात मौत है। बहहहह!
काली का अवतार है ये! बहहहह!
अपराध करेगा तो परमाणु आएगा। परमाणु आएगा तो तू मुक्का खाएगा। हीहीही!
धाड़
धड़ाच
ओफ्फ! असली जबड़ा टूट गया। पर शुक्र है! मुझे पता था कि परमाणु आएगा, इसलिए मैं नकली दांतों का सैट साथ ही लेकर चला था। हीहीही!
धाड़
नहीं भेड़िया! मैं जंगल में जानवर मारने नहीं, बल्कि जंगल पानी के लिए आया था। ये देखो, ये लोटे में भरा पानी भी साथ है। हीहीही! बहहहह!
शहर से एक सौ पचास किलो मीटर दूर तू जंगल में पोट्टी करने आया था? भेड़िया को मूर्ख बनाता है।
तो फिर बंदूक किस-लिए लाया है?
वो तो जंगली जानवरों से सुरक्षा के लिए लाया था। बहहहह!

"दिल्ली, मुम्बई, राजनगर, महानगर को इन सुपर हीरोज ने अपना कार्यक्षेत्र बनाकर अपराधियों की जो धुलाई की तो उसके आगे सर्फ की धुलाई भी फीकी पड़ गई।"
तुम्हारे जिस्मों पर अपराध की जो चर्बी चढ़ गई है, उसको उतार कर तुम्हें फिर से आदमी बनाएगा तिरंगा! हीहीही!
तुम जैसे अपराधियों के कारण ही मैं मरकर बना हूं जिंदा मुर्दा स्थोनी! अब तुम्हें डराऊंगा और मारूंगा। हीहीही!
धड़ाक
तड़ाक
धाड़
मुर्दा स्थोनी हमें अपनी ठण्डी आग में जकड़ रहा है। आह! बहहहह!
मुझे माफ कर दो गमराज! आज के बाद असली दवाइयों के रैपर में चाकमिट्टी की गोलियां भरकर नहीं बेचूंगा। यानी मैं कल से सारे बुरे धंधे छोड़ दूंगा। बहहहह!
तो फिर आज तो अपनी पिटाई होने दे। यमुण्डा! जड़ इसको एक कसकर! हीहीही!
अण्डर वियर की जेब में ड्रग्स रखने के जुर्म में मैं तुम्हें गिरफ्तार करता हूं। यू आर अण्डर अरैस्ट!
मैं गिरफ्तार होने के लिए तैयार हूं, इंस्पेक्टर स्टील! बहहहह!

इन सुपर हीरोज के कारण हमारे हालात फिर से पहले जैसे हो गए हैं। अयराघ नाम के हमारे हथियार की धार अब खुरदुरी हो चली है। पुलिस को भी इन सुपर हीरोज पर नाज है।
बड़मूदा की शक्ति दिन प्रतिदिन घटती चली जा रही है।
इसलिए क्लेश यज्ञ करके मैंने तुम पांचों को यहां पर बुलाया है। बहूहूहू!
तुम्हें भारत से अपना सफर आरम्भ करना होगा।
तुम्हें दिल्ली, मुम्बई, आसाम, राजनगर, महानगर जा कर इन सभी सुपर हीरोज को यहां मेरे पास लाना होगा। मैं उनको अपने हाथों से समाप्त करूंगा ताकि हमारी अयराघ शक्ति फिर से सक्रिय हो सके। हीहीही!
अब दुनिया में सुपर हीरोज की खाट खड़ी होकर रहेगी महान बड़मूदा। हीहीही!
मैं उन्हें ऐसा झटीफा सुनाऊंगा कि वो हंसते-हंसते मर जाएंगे। हीहीही!
हम सुपर विलेन बनकर सुपर हीरोज को सिर के बल खड़ा कर देंगे। हीहीही!
सुपर हीरोज पर भयानक खतरा मंडराने लगा था।

पाचू देवता के वरदान के कारण बांकेलाल को सब कुछ पता चलता जा रहा था।

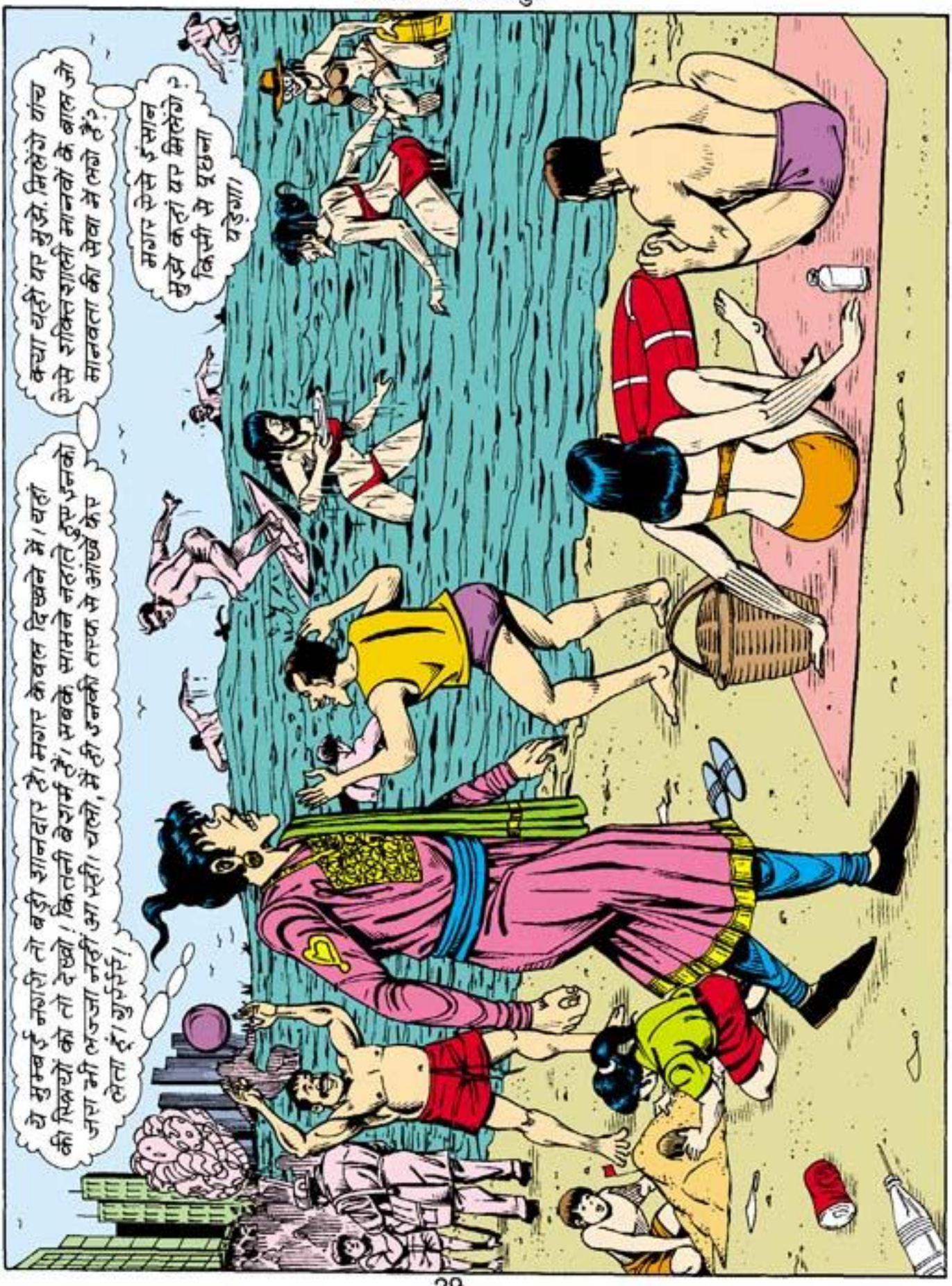

ये मुम्बई नगरी तो बड़ी शानदार है। मगर केवल दिखने में। यहां की स्त्रियों को तो देखो! कितनी बेशर्म हैं। सबके सामने नहाते हुए इनको जरा भी लज्जा नहीं आ रही। चलो, मैं ही इनकी तरफ से आंखें फेर लेता हूं। गुर्रर्रर्र!
क्या यहीं पर मुझे मिलेंगे पांच ऐसे शक्तिशाली मानवों के बाल जो मानवता की सेवा में लगे हैं?
मगर ऐसे इंसान मुझे कहां पर मिलेंगे? किसी से पूछना पड़ेगा।

मगर बांकेलाल को पूछने की जरूरत ही नहीं पड़ी।

भाइयो! अब आपके बीच आ रहे हैं लोकप्रिय नेता, श्री बांके बिहारी लाल जी जिनका सारा जीवन मानवता की सेवा करते हुए बीता है और शेष जीवन भी ऐसे ही बीतेगा। हीहीही!

अरे!

नेता बांके बिहारीलाल! हीहीही!

यहां भी बांके? हीहीही!

और वो बता रहा है कि इस बेचारे बांके का सारा जीवन भी मानवता की सेवा करते ही बीता। मेरी तरह! ही-ही-ही!

मुझे भी तो ऐसे ही पांच मानवों की तलाश है जिनका सारा जीवन मानवता की सेवा में बीत रहा हो। ये नोट बांटकर लोगों का भला कर भी रहा है हीहीही!

समझो मुझे मिल गया पहला वाला! ही-ही-ही!

भाइयो! मैं सिर्फ इतना कहने आया हूं कि तुम मुझे वोट दो, मैं तुम्हें नोट दूंगा। हीहीही!

सुबह वाला नेता भी यही कह रहा था और शाम तक यहां आने वाले नेता भी यही कहेंगे। इसीलिए तो आज हम हर नेता का भाषण सुनने के लिए यहां डटे हैं। हीहीही!

अरे! वो नेता बांके बिहारी लाल तो वापस जा रहा है? बहहह!

तो घबराता क्यों है? यहीं खड़ा रह! इलेक्शन का टाइम है। कोई दूसरा आता ही होगा नोट बांटने। हीहीही!

ठहरो! ठहरो! बहुहुह!
सर! पाण्डे आपके मुकाबले से हटने के लिए दो करोड़ रुपये मांग रहा है। उसको मीटिंग के लिए मैंने बंगले पर ही बुला लिया है। हीहीही!
ठीक है! उसको वहीं पर निबटा देंगे। मेरा मतलब निबट लेंगे। हीहीही!
ओफ्फ! उस कार की गति तो मोटे विक्रमसिंह के रथ से भी अधिक तीव्र है। ब-हुहुह!
इस प्रकार तो नेता बांके बिहारी मेरी आंखों से ओझल हो जाएगा। बहुहुह!
बांकेलाल! जल्दी से पढ़ यात्रा मंत्र ताकि तू उस कार का पीछा कर सके। हीहीही!
चक्के पे चक्का! चक्के पे गाड़ी। गाड़ी में निकली अपनी सवारी। थोड़े अगाड़ी थोड़े पिछाड़ी। हीहीही!
ओह! मैं तो एकदम से सी बीच से सीधे ये यहां कहां आ गया? बहुहुह!
ये तो वही कार है जिसका पीछा करने की सोचते हुए ही मैंने यात्रा मंत्र पढ़ा था। बहुहुह!

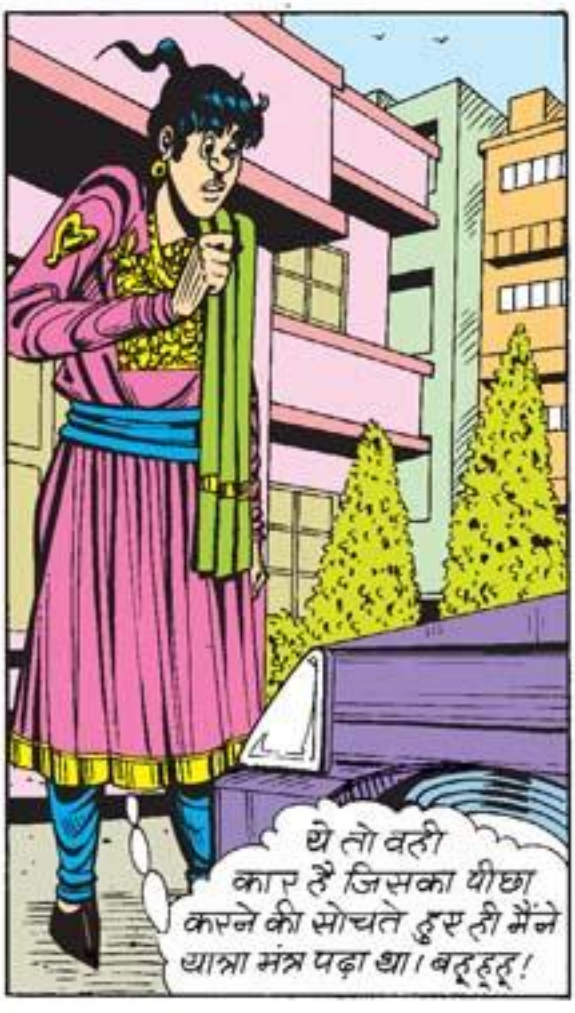

वो मंत्र मुझे सीधे उसी कार के पास ले आया है। शायद कार में सवार सभी लोग बंगले के भीतर चले गए हैं।
मानवता का रक्षक नेता बांके बिहारी लाल भी अंदर गया होगा। मैं भी अंदर चलता हूं।
यहां आ कर भी ऐसे व्यक्ति से भेंट नहीं की तो क्या लाभ, जिसके नाम में बांके लाल आता हो। हीही-ही!
बांकेलाल अभी उस कक्ष के बाहर ही पहुंचा था, कि-
पाण्डे! अगर मैं तुझे दो करोड़ रुपये दे दूंगा तो तू चुनाव में मेरे मुकाबले से हट जाएगा और मेरी जीत पक्की हो जाएगी। ही-हीहीही!
यही तो मैं कह रहा हूं। हीहीही!
और अगर मैं तुझे दो गोली दे दूं तो? हीहीही!
आह! ये तो मैंने सोचा ही नहीं था। बहहह!
???
मगर हमने सोच लिया। अगर हम ऐसी फायदे की बातें न सोचें तो चल ली फिर हमारी नेतागिरी! हीहीही!
ये क्या? आप ने तो इसको लुढ़का दिया नेताजी?
आप तो नेता हैं। आपको ऐसी हरकतें शोभा नहीं देतीं। हीहीही!
वो नेता ही क्या जो दस पांच खून करे या करवाये न? अब इलेक्शनवा में हमारी जीत पक्की हो गई। हीहीही!
इसकी लाश बाहर ले जाकर मेरे कुत्तों के आगे डाल दो। वो इसकी दावत उड़ाएंगे। हीही-ही!
ऐसा आदमी मानवता का सेवक कैसे हो सकता है जो अपने लाभ के लिए लोगों को मार रहा हो?

कहानी 35 पेज से जारी

छनाक
उसकी नहीं... अब तेरी लाश की दावत...
जिंगजिंगजिंग
जिंगजिंगजिंग
???

...खास्गी...मेरी कुत्ता फौज!
भौं!भौं!
थुड़
वाऊ! वाऊ!
डोगा! त...तुम यहां पर कैसे आ गए?
तुम्हें बिना पूछे चोर-डाकुओं के समान इस प्रकार किसी के घर में नहीं घुसना चाहिए। बहूहूहू!
भौं!
गुर्रर्रर्र!
आह!
नेता! जब तेरी गोली बिना पूछे किसी निर्दोष के सीने में घुस सकती है, तो फिर मैं तेरे घर में क्यों नहीं घुस सकता?
आह!!
बांकेलाल ये सब देखकर चकित था।
मैं तो उस नेता को मानवता का सेवक समझ रहा था परन्तु ये तो भेड़ की खाल में भेड़िया निकला। बहूहूहू!

अच्छा हुआ जो मैंने इसका बाल नहीं लिया। धूर्त कहीं का!
मगर वो कुत्ते जैसी शक्ल वाला आदमी होगा कौन था?
वो तो चला भी गया।
पर अब क्या होगा?
मुझे मानवता के पांच रक्षकों को ढूंढना है जबकि यहां तो एक का भी पता नहीं लग पा रहा। बहूहूहू!
ओह, हां! यहां पर तो सारा काम कम्प्यूटर पर होता है।
क्यों न मैं कम्प्यूटर पर ऐसे लोगों के नाम-पतों की खोज करूं? हीहीही!
OTEK
COMPUTE
CENTRE
JEWELLERS
मगर उसके लिए मुझे कुछ रुपये खर्च करने होंगे। रुपये स्वर्णमुद्राओं को सुनार के पास बेचकर मिलेंगे। हीहीही!
वायु देवता के वरदान के कारण मुझे भविष्य की प्रत्येक वस्तु की आवश्यक जानकारी अपनेआप ही मिलती जा रही है। हीहीही!

NON GOVERNMENT ORGANISATIONS

हमें बकरों की तरह उल्टा क्यों टांग रखा है? बहहह!
आह!
आह!
हमें डण्डों से क्यों पीटा जा रहा है?
तड़ाक
तड़ाक
तड़ाक
आह!
तुमने हमारे इलाके के गुण्डों को उनका हफ्ता देने से मना किया है। इसलिए हम तुम सबको सबक सिखा रहे हैं। हीहीही!
तड़ाक
आह!
मगर ये तो गुण्डागर्दी है! बहहह!
तड़ाक
आह!
आह!
तभी तो ये काम गुण्डों को सौंप रखा है। हीहीही! उतार लो इनकी खाल, जब तक ये हफ्ता देने की हामी न भरें। हीहीही!

मैं तो समझ रहा था कि उल्टे लटके हुए लोग चोर-डाकू होंगे जिनसे चोरी इत्यादि की पूछ-ताछ के लिए उनकी पिटाई की जा रही है। मगर ये सब तो शरीफ लोग हैं?
ओह! तो यहां थानों में ऐसे होती है मानवता की सेवा! बहहहह!
मानवता के ऐसे सेवकों की सेवा करने वाला भी कोई मौजूद था।
थपाक
थपाक
सांय
सांय
थपाक
सांय
ओह! ये क्या?
हम पर ऐसे प्रहार कौन कर रहा है?
डोगा।
अगर कोई हिला तो मैं उसको गोली मार दूंगा।
डोगा आ गया!
डोगा! हमें बचाओ!

ये हमारे चेहरों पर तुमने क्या चिपका दिया है? बहूहू-हू!
ये 'एम-सील' गन का कमाल है जिसकी गोली चलने के बाद रोटी की तरह चेहरे पर फैल जाती है और वायु के सम्पर्क में आने पर बड़ी तेजी से सूखती है।
अगर तुमने एक मिनट के अंदर-अंदर इन उल्टों को सीधा करके अपनी वर्दियां सरकार को वापस नहीं की तो फिर त्वाडा की होऊ हीहीही!
नहीं, डोगा! ऐसा मत करना।
हां, डोगा! जब हम ऐसा काम करते हैं तो लोग हमारे मुंह पर थूकते हैं। अगर तुमने ऐसा किया तो फिर लोग हमारे मुंह पर थूकेंगे कैसे? बहूहूहू! हीहीही!
हम इनको सीधा कर देते हैं। बहूहूहू!
धाड़
धाड़
अब मैं तुम्हें सीधा कर देता हूं। हीहीही!
बहूहूहू! मैं तो इन पुलिसवालों को मानवता का सेवक समझ रहा था। मगर ये तो रक्षक के वेश में भक्षक निकले बहूहूहू!
डोगा! हम हफ्ते का पैसा इकट्ठा करके गरीब लोगों में बांटेंगे। हीहीही!

बांकेलाल पुलिस थाने से भी निकल गया।
अब मैं चलता हूं किसी एन. जी. ओ. यानी समाज सेवी संस्था के समाज सेवकों के पास। क्या पता, पांचों बाल मुझे वहीं पर मिल जाएं। बड़बड़!
यहां पर क्या हो रहा है?
समुद्र की तीव्र सुनामी लहरों ने तटवासियों पर कहर मचाया है। उनकी सहायतार्थ डोनेशन इकट्ठा किया जा रहा है।
दान पेटी
दान पेटी
और इन टेम्पुओं में क्या भरकर आया है?
लोग खुले हाथ से दान कर रहे हैं। इनमें साबुन, तेल, तौलिये, कपड़े, चावल, दाल, चीनी, कोलगेट इत्यादि रोजमर्रा की वस्तुएं हैं जिनकी वहां पर सख्त आवश्यकता है। क्योंकि ऐसी वस्तुएं बेचने वाली सभी दुकानें पानी में डूब और नष्ट हो गई हैं। बड़बड़!
दान पेटी
दान पेटी
साब! एक हजार पेटी नहाने का साबुन, पांच सौ लीटर सरसों के तेल के पीपे, दस हजार तौलिये, बीस हजार पैंट-शर्ट, एक हजार क्विंटल चावल, चीनी, दाल और दो हजार कोलगेट दान में मिली हैं।

हम एक मौहल्ले में एक नहाने का लक्स साबुन लोगों के नहाने के लिए देंगे।
मौहल्ले का मतलब जैसे पूरा श्रीलंका। हीही-ही!
लोगों ने दान में चावल, दाल, चीनी वगैरह भी दे दिए हैं। उनकी वहां पर जरूरत नहीं है।
क्योंकि सुनामी पीड़ित लोग मछलियां खाते हैं। और मछलियों की वहां पर कोई कमी नहीं है। ये सामान हम यहीं पर अपने गरीब भाइयों के परिवारों में बांट देंगे। आखिर अपने भाइयों का पेट भरना भी हमारा कर्त्तव्य है। हम साथ-साथ पले हैं। पढ़े हैं। खेले हैं। हीहीही!
और तुम जैसे कपटी समाज सेवियों का पेट गोलियों से भरना डोगा का फर्ज है।
धांय
यहां पर तो पता ही नहीं चल रहा कि कौन मानवता की सेवा कर रहा है? बहुहुहु!
मैं तुम्हें मानव सेवा के लिए भेजे गए दान के इस सामान में से एक माचिस की डिब्बी भी ले जाने नहीं दूंगा।
पता चल क्यों नहीं रहा?
ऐसे कपटी व भ्रष्ट लोगों को मारकर ये डोगा सच्ची मानव सेवा ही तो कर रहा है।

वो...
...वो...
...वो मारा!
...यही तो है मानवता का सच्चा सेवक और रक्षक, डोगा! हीहीही!
मुझे इसी का बाल चाहिए। हीहीही!
?!
पर बेचारा! जब मैं इसका बाल तोड़ लूंगा तो ये बचेगा नहीं। नहीं बचेगा तो नहीं बचे। हीहीही!
सुनामी केम्प

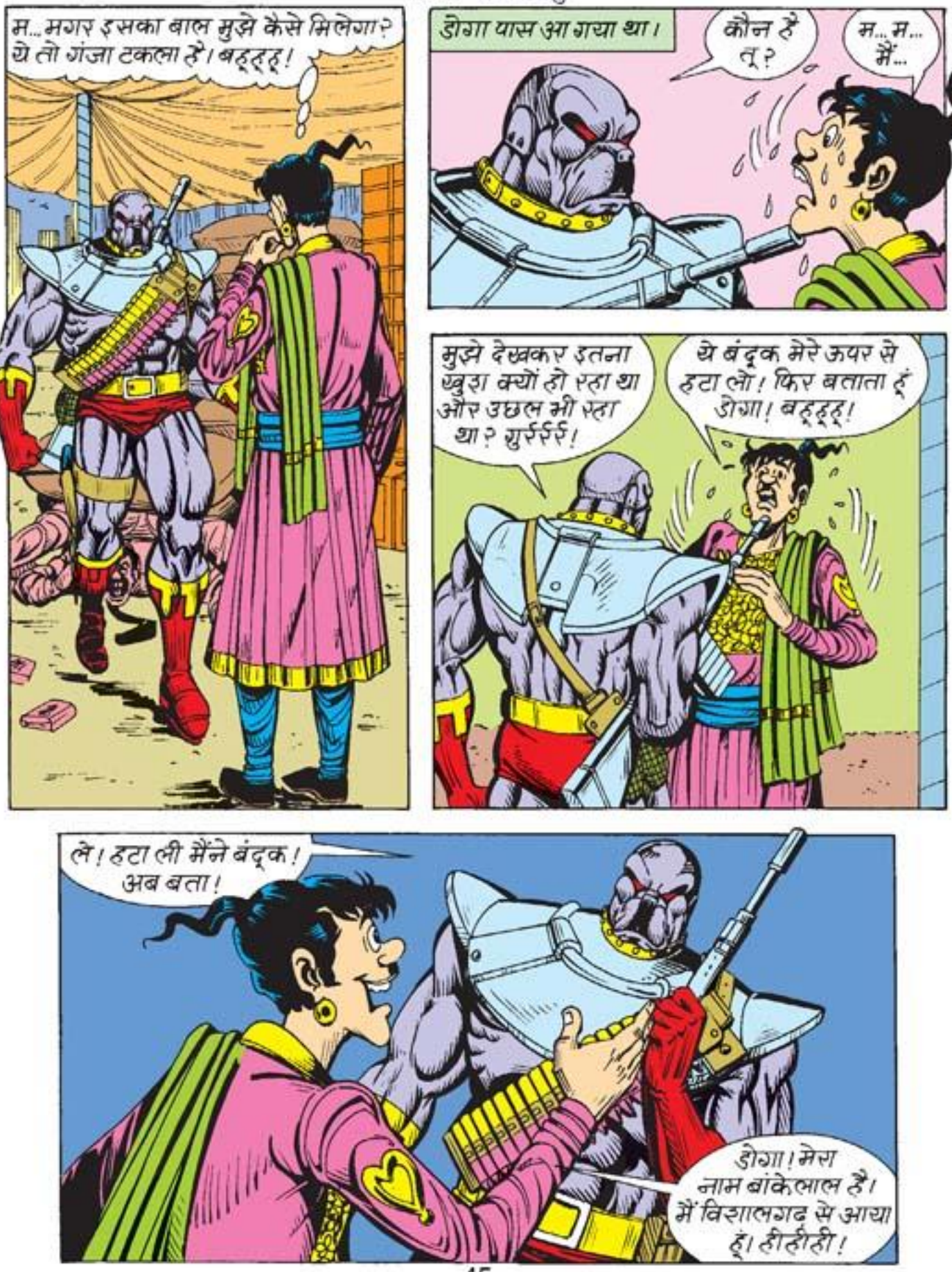

म... मगर इसका बाल मुझे कैसे मिलेगा? ये तो गंजा टकला है। बहूहूहू!
डोगा पास आ गया था।
कौन है तू?
म... म... मैं...
मुझे देखकर इतना खुश क्यों हो रहा था और उछल भी रहा था? ग़ुर्ऽऽऽ!
ये बंदूक मेरे ऊपर से हटा लो! फिर बताता हूं डोगा! बहूहूहू!
ले! हटा ली मैंने बंदूक! अब बता!
डोगा! मेरा नाम बांकेलाल है। मैं विशालगढ़ से आया हूं। हीहीही!

विशालगढ़? ये मुम्बई में तो नहीं है? कहां पर है विशालगढ़? उत्तर प्रदेश! राजस्थान या फिर किसी और प्रदेश में?
ये उनमें से किसी भी प्रदेश में नहीं है डोगा! हीहीही!
अच्छा तो यूनियन टेरिटरी में होगा।
डोगा! विशालगढ़ भूतकाल में है। हीहीही!
म...भूतकाल में? तुम्हारा मतलब है, पास्ट में?
हां, डोगा! मैं पास्ट से फ्यूचर में आया हूं। आई मीन, भूतकाल से भविष्यकाल में। हीहीही!
डोगा! मुझे तुम्हारे जैसे मानवता के पांच रक्षकों के सिर के बाल चाहिए। हीहीही!
क्या? क्या कहा? सिर का बाल चाहिए? तुझे डोगा के सिर का बाल चाहिए?
ह... हां!

क्या बकता है?
जानता है, तू क्या कह रहा है?
स... समझने की चेष्टा करो डोगा! भूतकाल पर संकट मंडरा रहा है।
अगर मैं भविष्य से पांच बाल लेकर वापस नहीं लौटा तो बदनामी व भंवर मिलकर सम्पूर्ण धरती पर प्रलय मचा सकते हैं।
तुम 'भविष्य' में रहते हो।
और भविष्य का निर्माण 'भूतकाल' से ही होता है। हीहीही!

जरा सोचो डोगा! अगर भूत काल ही तबाह हो गया तो फिर भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा ?

जब पृथ्वी भूतकाल में ही तबाह हो जाएगी तो फिर भविष्य में न तो मुम्बई होगा, न मैं और न तुम और न ये पृथ्वी!

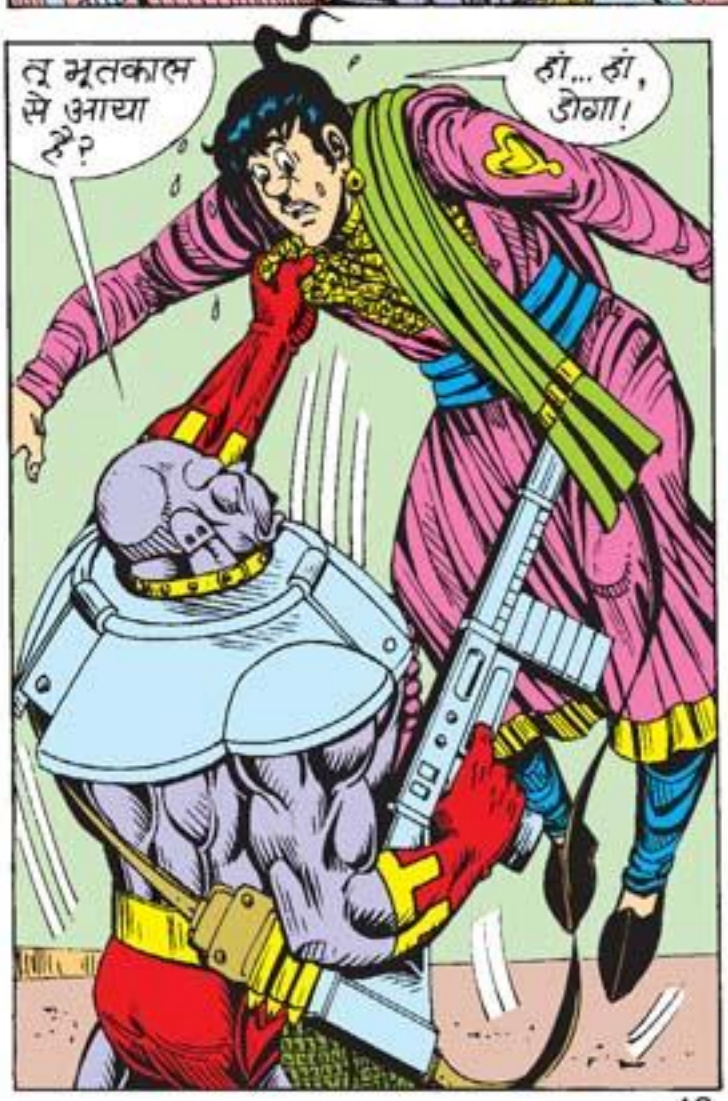
तू भूतकाल से आया है?
हां... हां, डोगा!

मेरे बाल लेने ?
ह... हां, डोगा! हा! हीहीही!

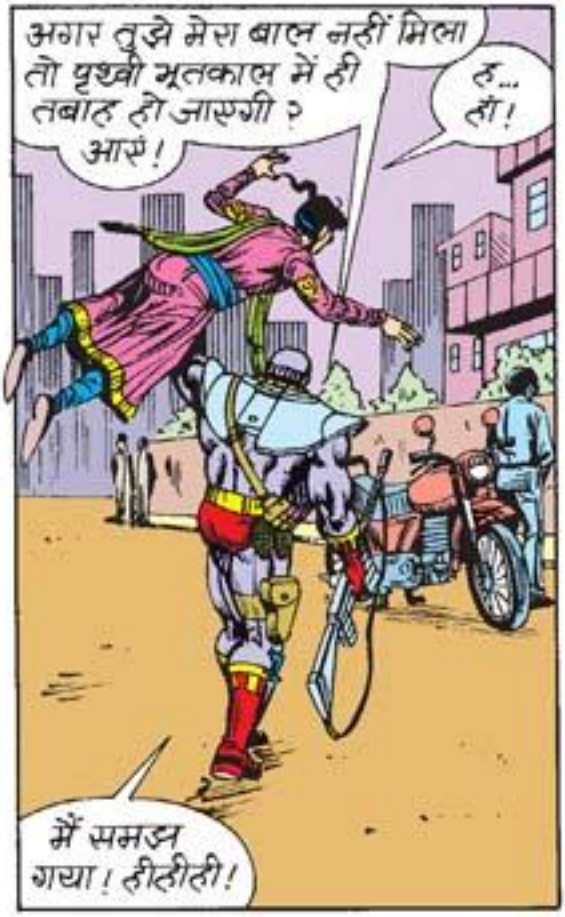

अगर तुझे मेरा बाल नहीं मिला तो पृथ्वी भूतकाल में ही तबाह हो जाएगी? आए!
ह... हाँ!
मैं समझ गया! हीहीही!
ड...डोगा! तुम मुझे लेकर कहां जा रहे हो? बाल तो तुम मुझे यहीं पर भी दे सकते हो? बह्हह्ह!
चुपचाप बैठ!
ये तो पागलखाना है!!!
अपना पागलखाना
वो तो अच्छा हुआ मैंने उसे पहचान कर सही जगह पहुंचा दिया। हीहीही!
बह्हह्ह! छोड़ दो मुझे! मैं पागल नहीं हूं।
हर पागल यही कहता है। हीहीही!

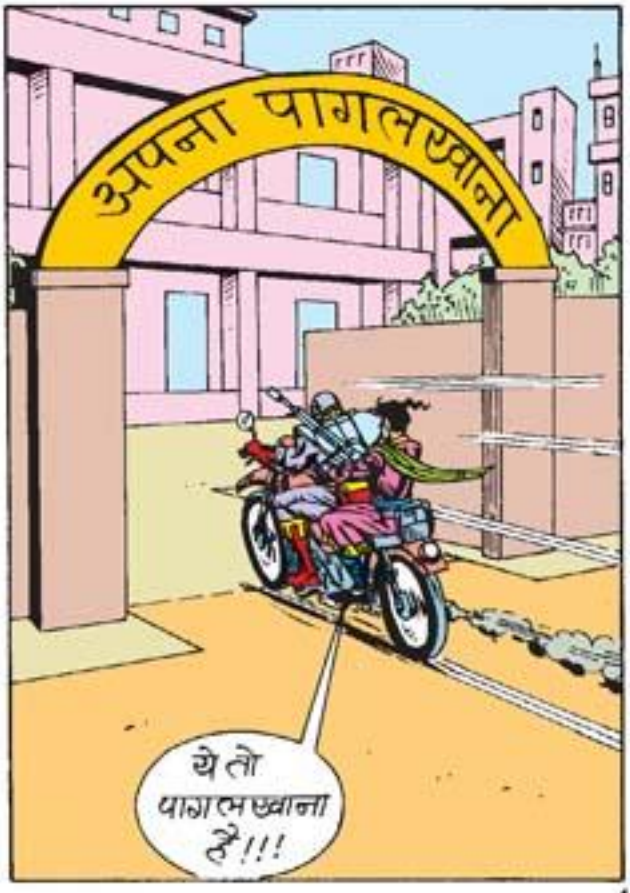

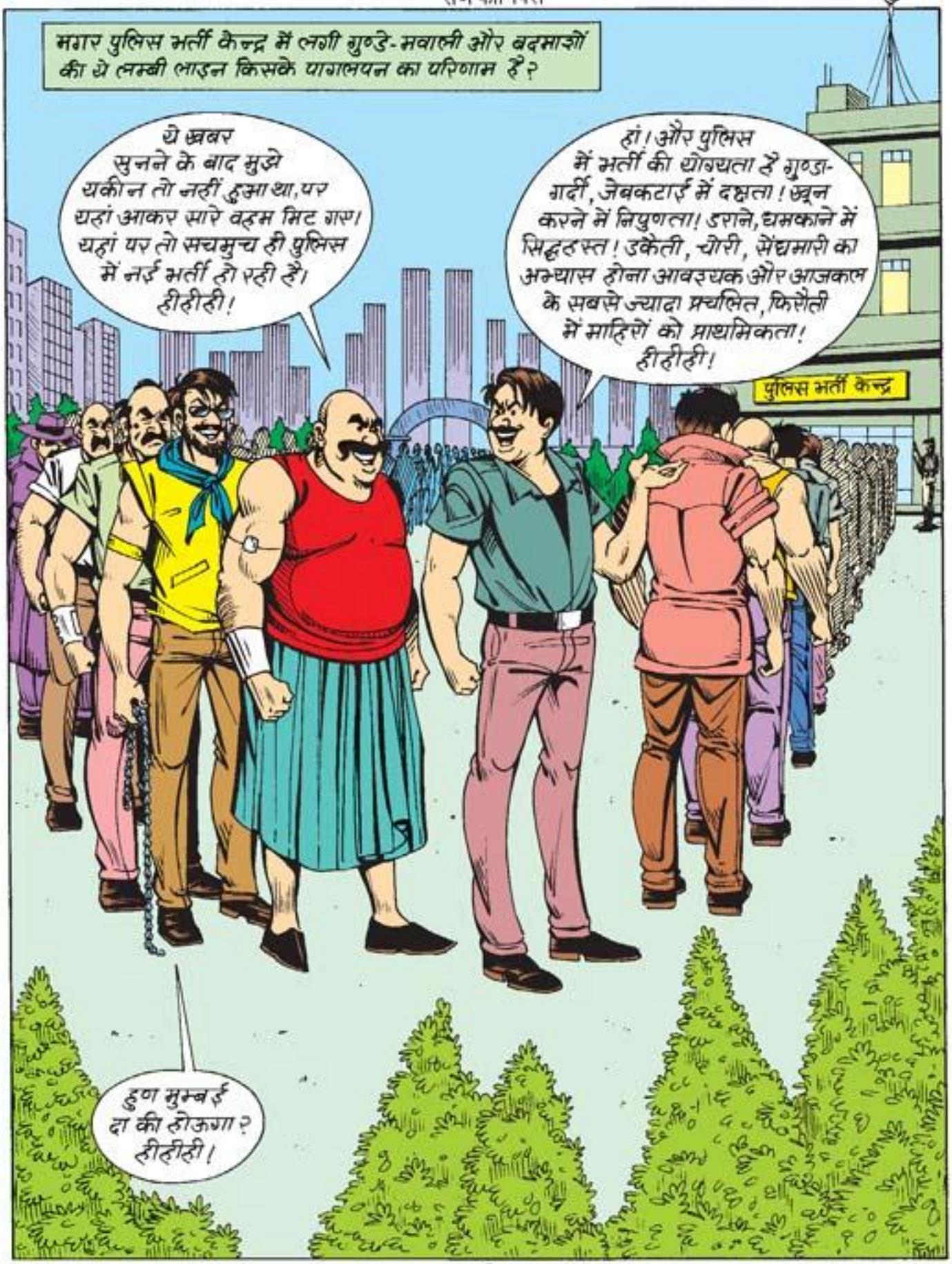
मगर पुलिस भर्ती केन्द्र में लगी गुण्डे-मवाली और बदमाशों की ये लम्बी लाइन किसके पागलपन का परिणाम है?
ये ख़बर सुनने के बाद मुझे यकीन तो नहीं हुआ था, पर यहां आकर सारे वहम मिट गए। यहां पर तो सचमुच ही पुलिस में नई भर्ती हो रही है। हीहीही!
हां! और पुलिस में भर्ती की योग्यता है गुण्डा-गर्दी, जेबकटाई में दक्षता! ख़ून करने में निपुणता! डराने, धमकाने में सिद्धहस्त! उकेती, चोरी, सेंधमारी का अभ्यास होना आवश्यक और आजकाल के सबसे ज्यादा प्रचलित, फिसैती में माहिरों को प्राथमिकता! हीहीही!
पुलिस भर्ती केन्द्र
हुण मुम्बई दा की होऊगा? हीहीही!

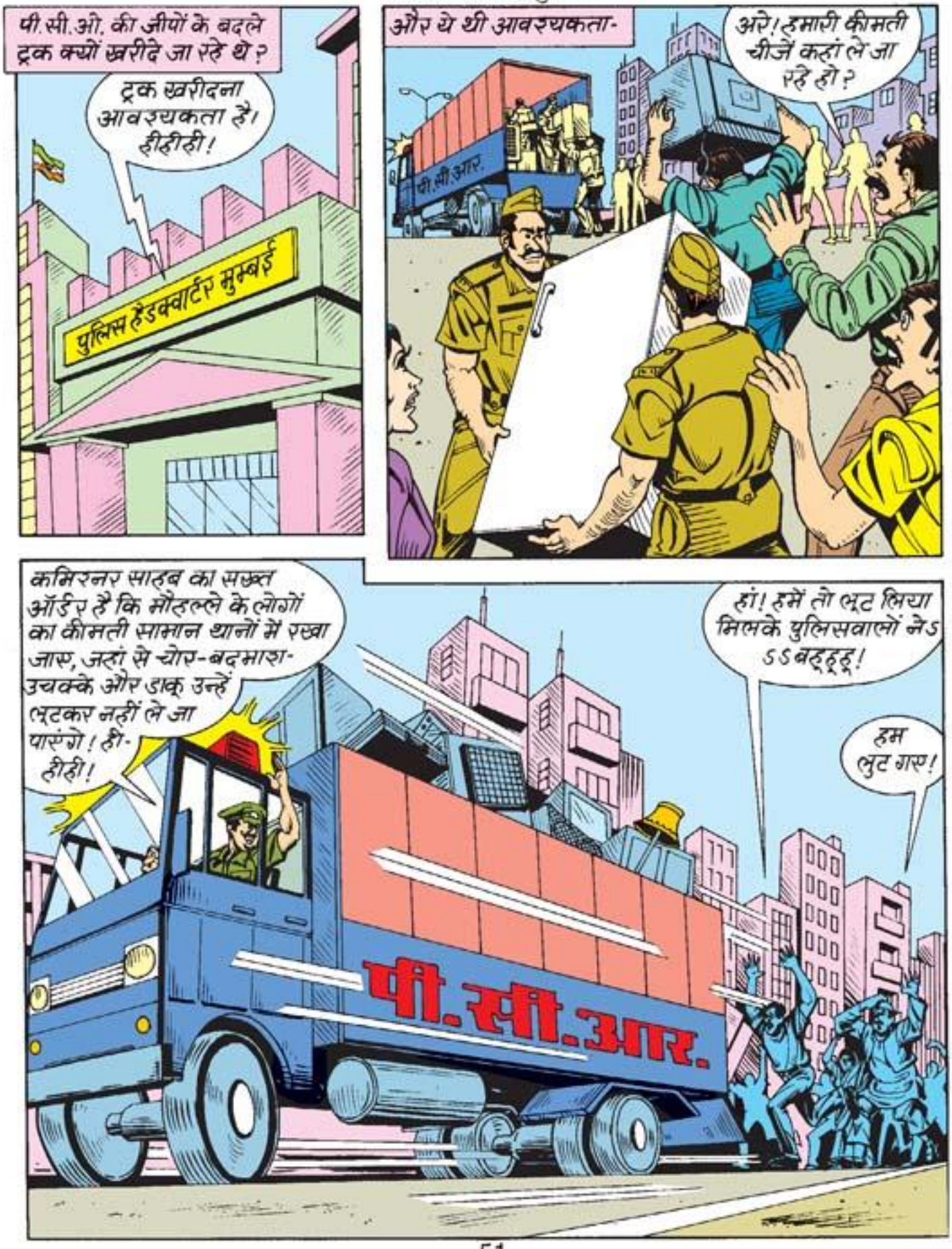
पी.सी.ओ. की जीपों के बदले ट्रक क्यों खरीदे जा रहे थे ?
ट्रक खरीदना आवश्यकता है। हीहीही!
पुलिस हेडक्वार्टर मुम्बई
और ये थी आवश्यकता-
अरे! हमारी कीमती चीजें कहां ले जा रहे हो ?
पी.सी.आर.
कमिश्नर साहब का सख्त ऑर्डर है कि मौहल्ले के लोगों का कीमती सामान थानों में रखा जाए, जहां से चोर-बदमाश-उचक्के और डाकू उन्हें लूटकर नहीं ले जा पाएंगे! ही-हीही!
हां! हमें तो लूट लिया मिलके पुलिसवालों नेऽऽऽबहूहूहू!
हम लुट गए!
पी.सी.आर.

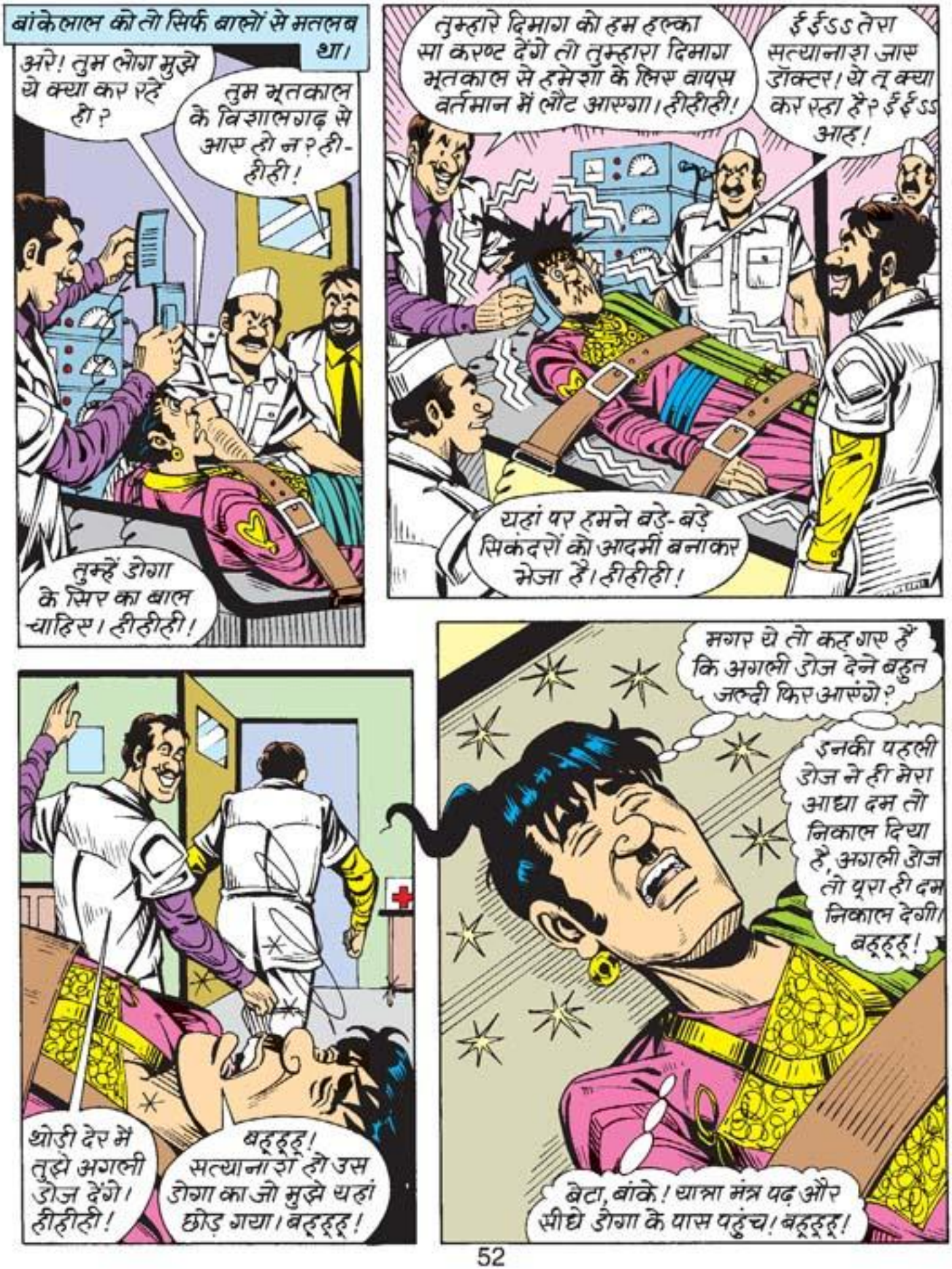
बांकेलाल को तो सिर्फ बालों से मतलब था।
अरे! तुम लोग मुझे ये क्या कर रहे हो?
तुम भूतकाल के विशालगढ़ से आए हो न? ही-ही-ही!
तुम्हें डोगा के सिर का बाल चाहिए। ही-ही-ही!
तुम्हारे दिमाग को हम हल्का सा करण्ट देंगे तो तुम्हारा दिमाग भूतकाल से हमेशा के लिए वापस वर्तमान में लौट आएगा। ही-ही-ही!
ईईऽऽ तेरा सत्यानाश जाए डॉक्टर! ये तू क्या कर रहा है? ईईऽऽ आह!
यहां पर हमने बड़े-बड़े सिकंदरों को आदमी बनाकर भेजा है। ही-ही-ही!
मगर ये तो कह गए हैं कि अगली डोज देने बहुत जल्दी फिर आएंगे?
इनकी पहली डोज ने ही मेरा आधा दम तो निकाल दिया है, अगली डोज तो पूरा ही दम निकाल देगी। बहूहूहू!
बेटा, बांके! यात्रा मंत्र पढ़ और सीधे डोगा के पास पहुंच! बहूहूहू!
थोड़ी देर में तुझे अगली डोज देंगे। ही-ही-ही!
बहूहूहू! सत्यानाश हो उस डोगा का जो मुझे यहां छोड़ गया। बहूहूहू!

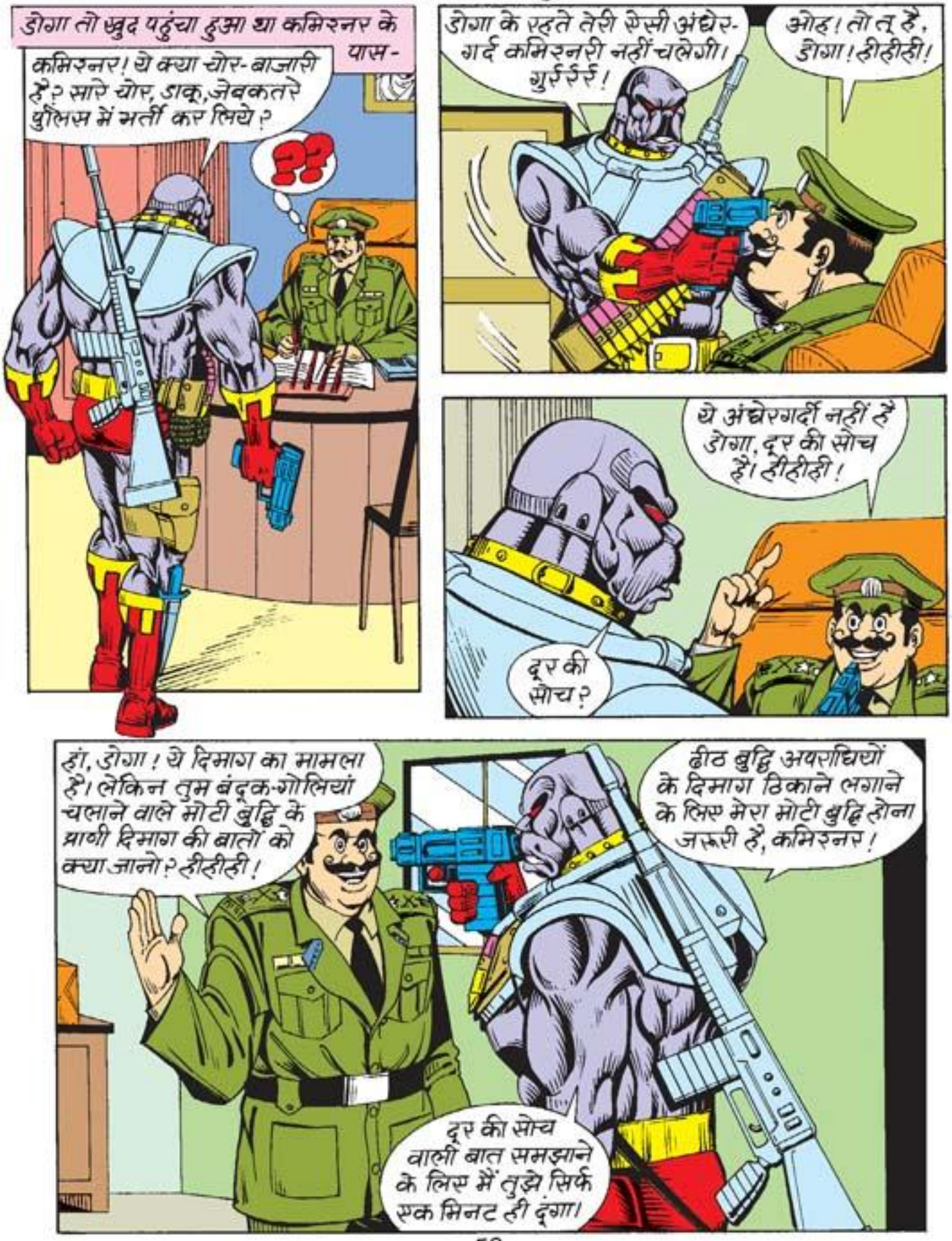
डोगा तो खुद पहुंचा हुआ था कमिश्नर के पास-
कमिश्नर! ये क्या चोर-बाजारी है? सारे चोर, डाकू, जेबकतरे पुलिस में भर्ती कर लिये?
??
डोगा के रहते तेरी ऐसी अंधेर-गर्द कमिश्नरी नहीं चलेगी। गुर्रर्रर्र!
ओह! तो तू है, डोगा! हीहीही!
ये अंधेरगर्दी नहीं है डोगा, दूर की सोच है। हीहीही!
दूर की सोच?
हां, डोगा! ये दिमाग का मामला है। लेकिन तुम बंदूक-गोलियां चलाने वाले मोटी बुद्धि के प्राणी दिमाग की बातों को क्या जानो? हीहीही!
ढीठ बुद्धि अपराधियों के दिमाग ठिकाने लगाने के लिए मेरा मोटी बुद्धि होना जरूरी है, कमिश्नर!
दूर की सोच वाली बात समझाने के लिए मैं तुझे सिर्फ एक मिनट ही दूंगा।

तो सुन! सारा झमेला अपराध और अपराधियों के अंत को लेकर ही है। पुलिस का गठन भी इसी उद्देश्य से ही हुआ है।
तू भी कुत्ता बना गली -गली इसी उद्देश्य से घूम रहा है।
तो मैंने दूर की सोच थे सोची कि सारे अपराधियों की पुलिस में भर्ती कर दो। जब सारे अपराधी पुलिस हो जाएंगे, तो अपराधी तो बचेंगे ही नहीं। हीहीही! है न, दूर की सोच?
आज पुलिस भी चैन की बंसी बजा रही है और जनता भी!

डोगा! ये ले! मैंने तेरे लिये असिस्टेंट कमिश्नर की वर्दी संभालकर रखी है।
ले! पहन ले ये वर्दी और बन जा तू भी पुलिसवाला! हीहीही!
कमिश्नर! जरा पलटकर देख और बता मुझे कि दीवार पर किसकी तस्वीर लगी हुई है?
तस्वीर?
किसकी तस्वीर लगी है?
वही तो मैं तुझसे पूछ रहा हूं!
ये तो किसी बुड्ढे की तस्वीर लगी है।
शायद किसी रिटायर कमिश्नर की होगी या किसी कमिश्नर के बाप की?
??
धाड़!
आह! बहहह!

ये बाप की नहीं, बापू की तस्वीर है कपटी! बहरूपिये!
धाड़
बता। मैंने तुझे कपटी, बहरूपिया क्यों कहा?
क्यों कहा?
थड़
आह!
क्योंकि बापू भारत के बच्चे-बच्चे का आदर्श हैं। उनकी प्रेरणा हैं! अहिंसा के मार्ग पर चलकर उन्होंने बड़ी-बड़ी लड़ाइयां जीतीं। हमारे देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका अदा की।
धड़ाक
बच्चा-बच्चा उनको नमन करता है, उनको पहचानता है।
और जो कमिश्नर होकर भी उनको नहीं पहचानता, वो कमिश्नर तो क्या इस देश का भी नहीं हो सकता।
स्क्रिऽऽच
बहरूपिये! तू मुझे असिस्टेंट कमिश्नर की वर्दी पहनाकर अपने साथ मिलाना चाहता था लेकिन मैंने तुझे इसीलिए पीछे तस्वीर की ओर देखने को कहा था क्योंकि गांधी के सामने इस वर्दी को हाथ लगाने का भी मैं पाप नहीं कर सकता था। ये वर्दी के साथ हिंसा होती क्योंकि मैं इंसाफ नहीं करता, मुजरिमों को साफ करता हूं।

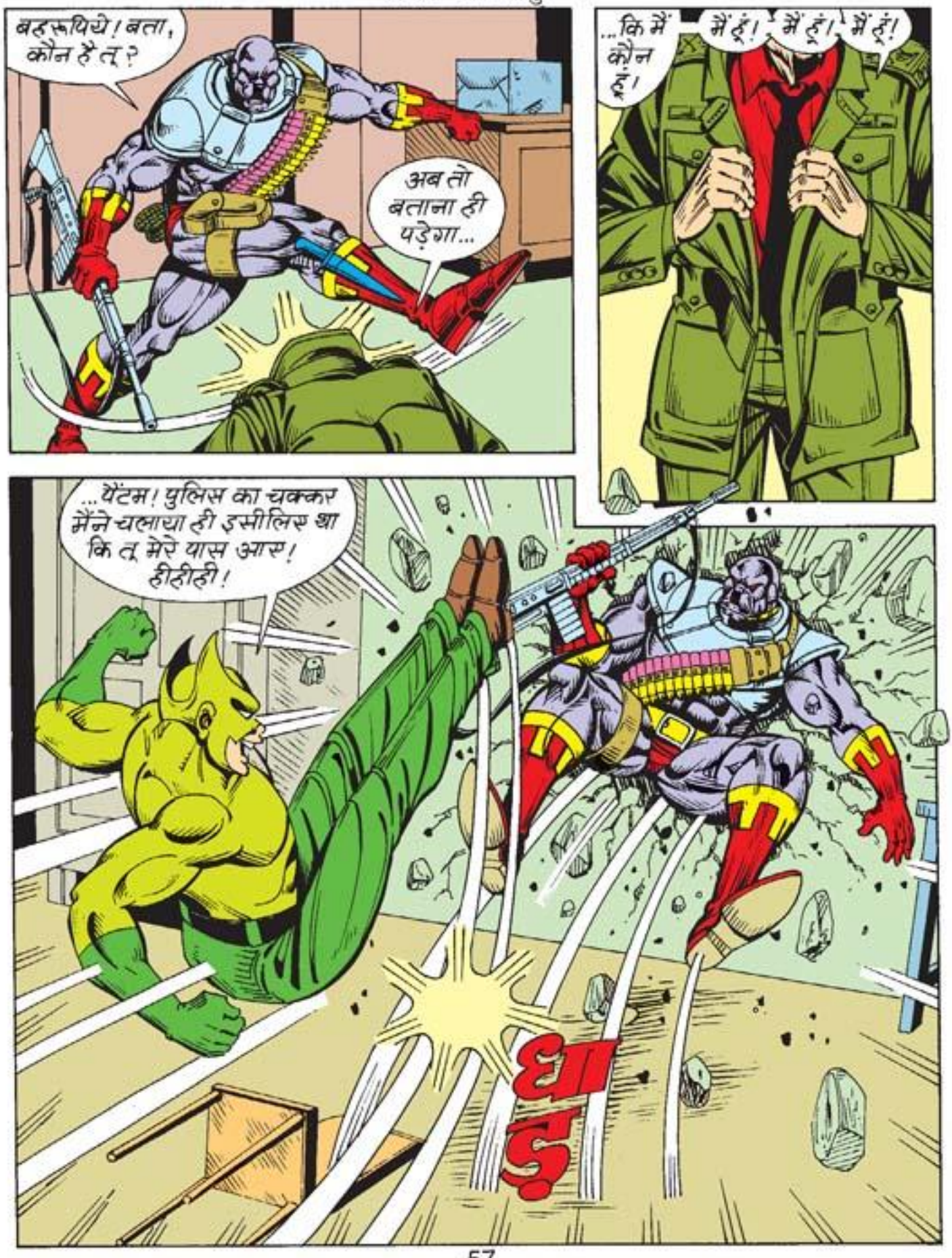
बहरूपिये! बता, कौन है तू?
अब तो बताना ही पड़ेगा...
...कि मैं कौन हूं!
मैं हूं! मैं हूं! मैं हूं!
...यैंटम! पुलिस का चक्कर मैंने चलाया ही इसीलिए था कि तू मेरे पास आए! हीहीही!
धड़

अरे! मैं तो कील की तरह दीवार में धंस और फंस गया! बहूहूहू!
डोगा हिम्मत हारने वाला नहीं था।
तू पैंटम हो या फैण्टम! गलत काम करेगा तो डोगा की गोली तेरे जीवन का गलत अंजाम करने के लिए जरूर चलेगी। हीहीही!
फुस्सी फुस्सी हीहीही!
बस, डोगा! चला ली गोली? मार लिया मुझे? हीहीही! और चला! मरने से पहले कोई तमन्ना दिल में बचनी नहीं चाहिए। हीहीही!
च्यूम च्यूम
च्यूम
च्यूम
गोलियां उसके शरीर से टकराकर बतासे की तरह फूट रही हैं? बहूहूहू!
गोली से तो तू बच गया पर गोले से नहीं बचेगा। हीहीही!
बूम
कक्ष में चारों ओर धुंआ भर गया।

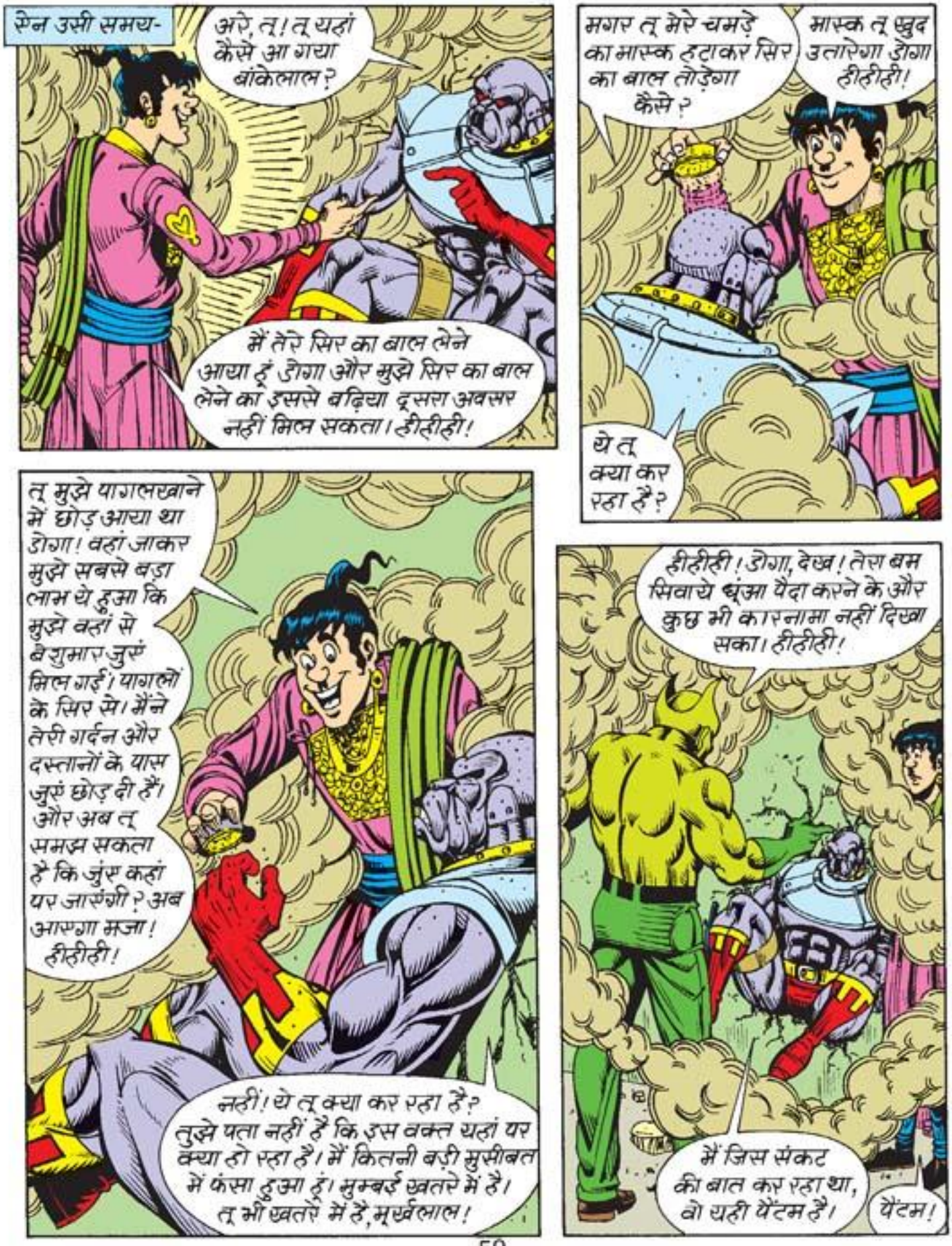
सेन उसी समय-
अरे, तू! तू यहां कैसे आ गया बांकेलाल?
मैं तेरे सिर का बाल लेने आया हूं डोगा और मुझे सिर का बाल लेने का इससे बढ़िया दूसरा अवसर नहीं मिल सकता। हीहीही!
मगर तू मेरे चमड़े का मास्क हटाकर सिर का बाल तोड़ेगा कैसे?
मास्क तू खुद उतारेगा डोगा हीहीही!
ये तू क्या कर रहा है?
तू मुझे यागलखाने में छोड़ आया था डोगा! वहां जाकर मुझे सबसे बड़ा लाभ ये हुआ कि मुझे वहां से बेशुमार जुएं मिल गईं। यागलों के सिर से। मैंने तेरी गर्दन और दस्तानों के पास जुएं छोड़ दी हैं। और अब तू समझ सकता है कि जुएं कहां पर जाएंगी? अब आएगा मजा! हीहीही!
नहीं! ये तू क्या कर रहा है? तुझे पता नहीं है कि इस वक्त यहां पर क्या हो रहा है। मैं कितनी बड़ी मुसीबत में फंसा हुआ हूं। मुम्बई खतरे में है। तू भी खतरे में है, मूर्खलाल!
हीहीही! डोगा, देख! तेरा बम सिवाये धूंआ पैदा करने के और कुछ भी कारनामा नहीं दिखा सका। हीहीही!
मैं जिस संकट की बात कर रहा था, वो यही पैंटम है।
पैंटम!

डोगा के बच्चे! अब न तेरे पास गोली बची है, न बम बचा है। हीहीही!
ओह! सिर में खुजली हो रही है। जुएं सिर तक पहुंच गई हैं। सिर जैसे जुओं का अखाड़ा बना हुआ है। बह्ह्ह!
डोगा! लड़ने से पहले शत्रु की ताकत को परख लेना चाहिए। ही-हीही! तुझे पता है, मैं तेरी गोली और बम से क्यों नहीं मरा? हीहीही!
ये तो मुझे डोगा का बाल नहीं लेने देगा। बह्ह्ह!
डोगा! मेरी जान को कब्ज का वरदान प्राप्त है। ही-हीही! नहीं समझा? हीहीही!
कब्ज का वरदान अर्थात मेरी जान आसानी से नहीं निकल सकती। हीहीही!
पर तेरी जान मैं बड़ी आसानी से निकाल दूंगा हीहीही!
तड़ाक
ओफ्फ! सिर में भयंकर खुजली हो रही है। लगता है, जुएं सिर में पहुंच गई हैं। मैं खुजाऊं या लड़ूं? बह्ह्ह! और खुजाऊं भी तो कैसे? बह्ह्ह!

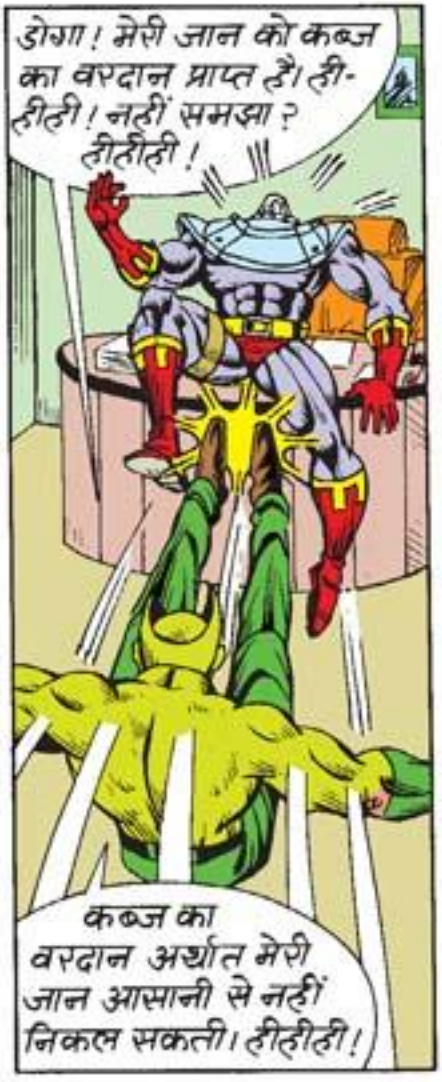

डोगा ने एक झटके से अपना मास्क उतार फेंका।
अब बर्दाश्त नहीं होता!
खुजर खुजर
बांकेलाल तो इसी ताक में था।
डोगा, देख! मुझे मिल गया तेरे सिर का बाल। हीहीही!
चिड़च
आह!
डोगा! मैं तो चला, यात्रा मंत्र पढ़कर तेरी नजरों से होने ओझल! हीहीही!
ये बांकेलाल सच कह रहा था। ये भूतकाल का ही है। और ये वैंटम भी इस लोक का नहीं है। इसीलिए तो मैंने इन दोनों के सामने मास्क हटाकर, सिर खुजाने का रिस्क ले लिया।
डोगा! मैं यहां पर तुझे लेने आया हूं और तू मुझे मिल गया। अब मैं तुझे महान बड़मूदा के पास ले जाऊंगा। हीहीही!
थड़
अब कुछ चैन मिला है! ओफ्फ!
नीचे गिरते-गिरते भी डोगा ने मास्क दोबारा चेहरे व सिर पर धारण कर लिया।

पैंटम! तू मुझे जहां चाहता है, वहां ले चल। लेकिन मुझे इतना बता दे कि असली कमिश्नर और मुम्बई की सारी असली पुलिस कहां है?
हीहीही! उनको तो मैंने एक विशालकाय जहाज पैंटम में बिठा कर बड़मूदा ट्रायंगल की ओर भेज दिया है। उनको तो अब दुनियां की कोई भी ताकत बचा नहीं सकती। हीहीही!

एक ताकत उनको अभी भी बचा सकती है। हीहीही!
रुक जा, डोगा! अब तू मेरे हाथों से बचकर नहीं भाग सकता।
खड़ाक

संयोग से डोगा को वो ताकत उसी पते पर मिल गई, जहां होने की उसे उम्मीद थी।
अरे डोगा, तुम! लगता है, आज पुलिस तुम्हारा एनकाउंटर करने के लिए तुम्हारे पीछे पड़ ही गई है। हीहीही!
गामराज! फालतू की बातें छोड़ो और काम की बातें सुनो! वरना मुम्बई पुलिस के साथ-साथ मुम्बई में पूरी कानून व शांति व्यवस्था भी खतरे में पड़ जाएगी। बहूहूह!

डोगा को किसी भी सूरत में उस ताकत तक तो पहुंचना ही था।
ये तो डोगा है!!
पकड़ो! बच कर न जाने पाए!
हां! अब तो हम पुलिसवाले हैं। आज इसका एनकाउंटर कर ही देंगे। हीहीही!

डोगा ने जल्दी-जल्दी गमराज को पैंटम के विषय में बताने के साथ ही कहा-
गमराज! जाने मुझे क्यों लगता है कि तुम इस प्राब्लम का हल निकाल लोगे? इसलिए मैं पैंटम से बचता-बचाता सीधे यहां आया हूं। मगर पैंटम किसी भी वक्त यहां पर आ सकता है।
आ सकता है नहीं, आ गया है। हीहीही!
डोगा! तुण तेरा की होऊगा?
ओह! इसके आगे तो मेरी एक भी नहीं चल रही। बहुहुह!
ग...गुरु! क... कुछ करो! डोगा की जान खतरे में है।
मैं यमुण्डा को बुलाता हूं।
किंतु यमुण्डा को पुकार पाने से पूर्व ही पैंटम वहां से हो गया गायब।
हीहीही!
गमराज जल्दी करो!
वो तो गायब हो गया!
हां! पता नहीं वो शैतान पैंटम डोगा को कहां ले गया है?
सुन शंकालू! भले ही डोगा गैरकानूनी ढंग से अपराधियों को जान से मार डालता हो। मगर फिर भी अपराधियों में उसका खौफ तो है ही। छोटे-मोटे अपराधी तो डोगा का नाम सुनकर मुम्बई छोड़ कर चले जाते हैं।
गुरु! ये बखान बंद करो और डोगा ने जो कहा है, उस पर ध्यान दो। वरना मुझे शंका हो रही है कि पूरी मुम्बई पुलिस बड़मृदा की मछलियों के हवाले हो जाएगी। बहुहुह!

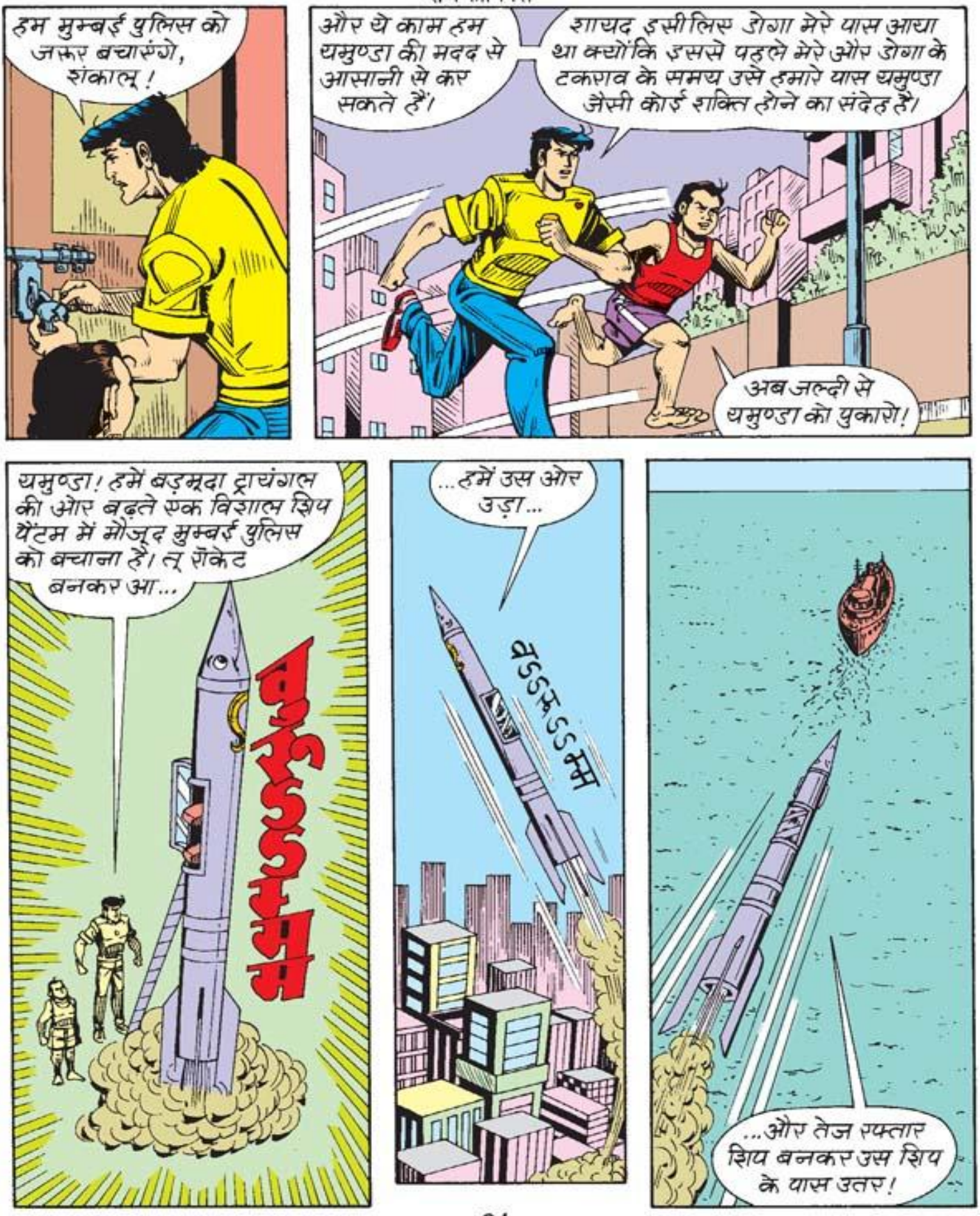

हम मुम्बई पुलिस को जरूर बचाएंगे, शंकाल !
और ये काम हम यमुण्डा की मदद से आसानी से कर सकते हैं।
शायद इसीलिए डोगा मेरे पास आया था क्योंकि इससे पहले मेरे और डोगा के टकराव के समय उसे हमारे पास यमुण्डा जैसी कोई शक्ति होने का संदेह है।
अब जल्दी से यमुण्डा को पुकारो!
यमुण्डा! हमें बड़मूदा ट्रायंगल की ओर बढ़ते एक विशाल शिप पैंटम में मौजूद मुम्बई पुलिस को बचाना है। तू रॉकेट बनकर आ...
...हमें उस ओर उड़ा...
...और तेज रफ्तार शिप बनकर उस शिप के पास उतर!

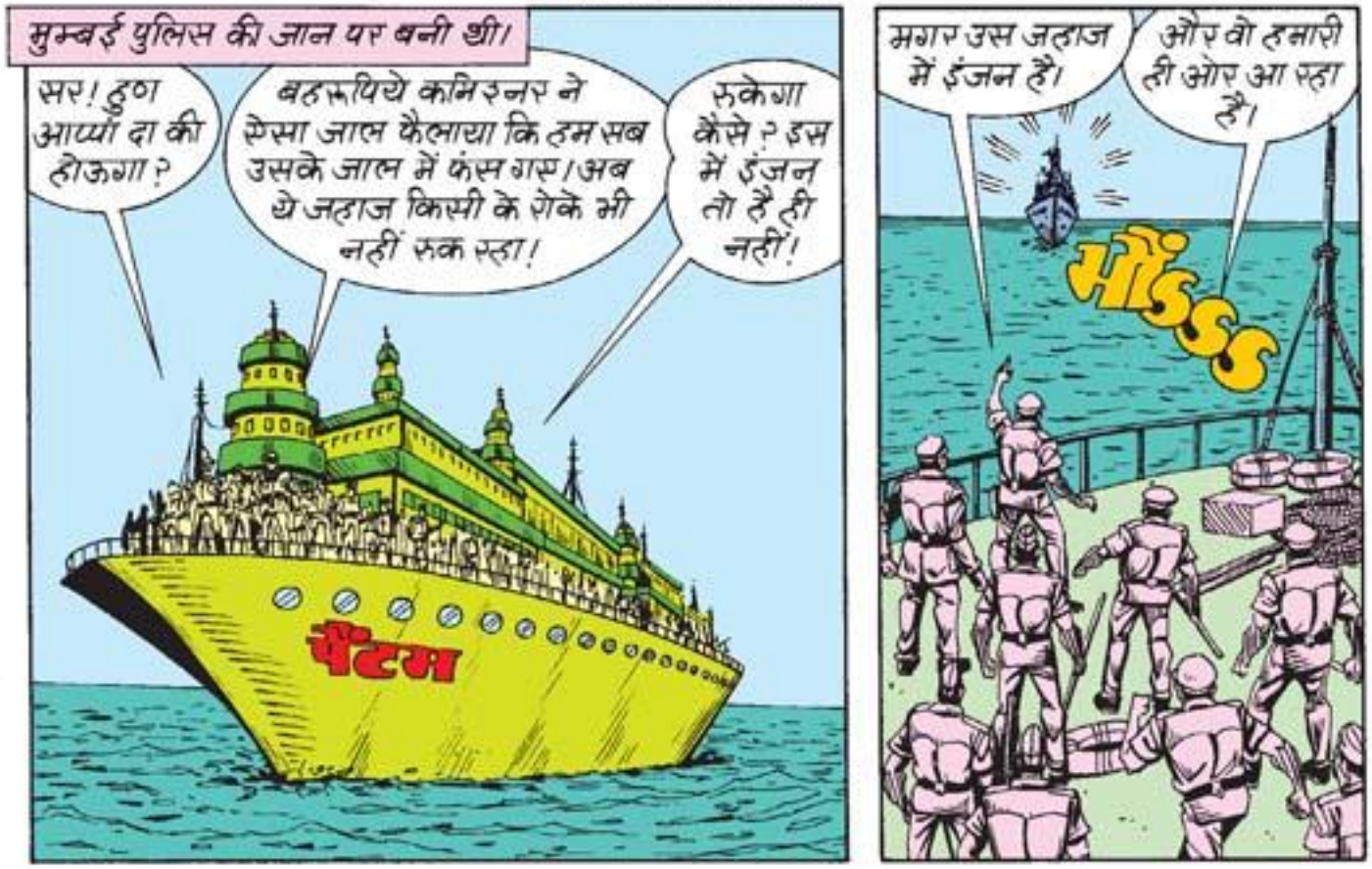
मुम्बई पुलिस की जान पर बनी थी।
सर! हुण आप्पां दा की होऊगा?
बहरूपिये कमिश्नर ने ऐसा जाल फैलाया कि हम सब उसके जाल में फंस गए। अब ये जहाज किसी के रोके भी नहीं रुक रहा!
रुकेगा कैसे? इस में इंजन तो है ही नहीं!
पैंटम
मगर उस जहाज में इंजन है।
और वो हमारी ही ओर आ रहा है।
मौंऽऽऽ

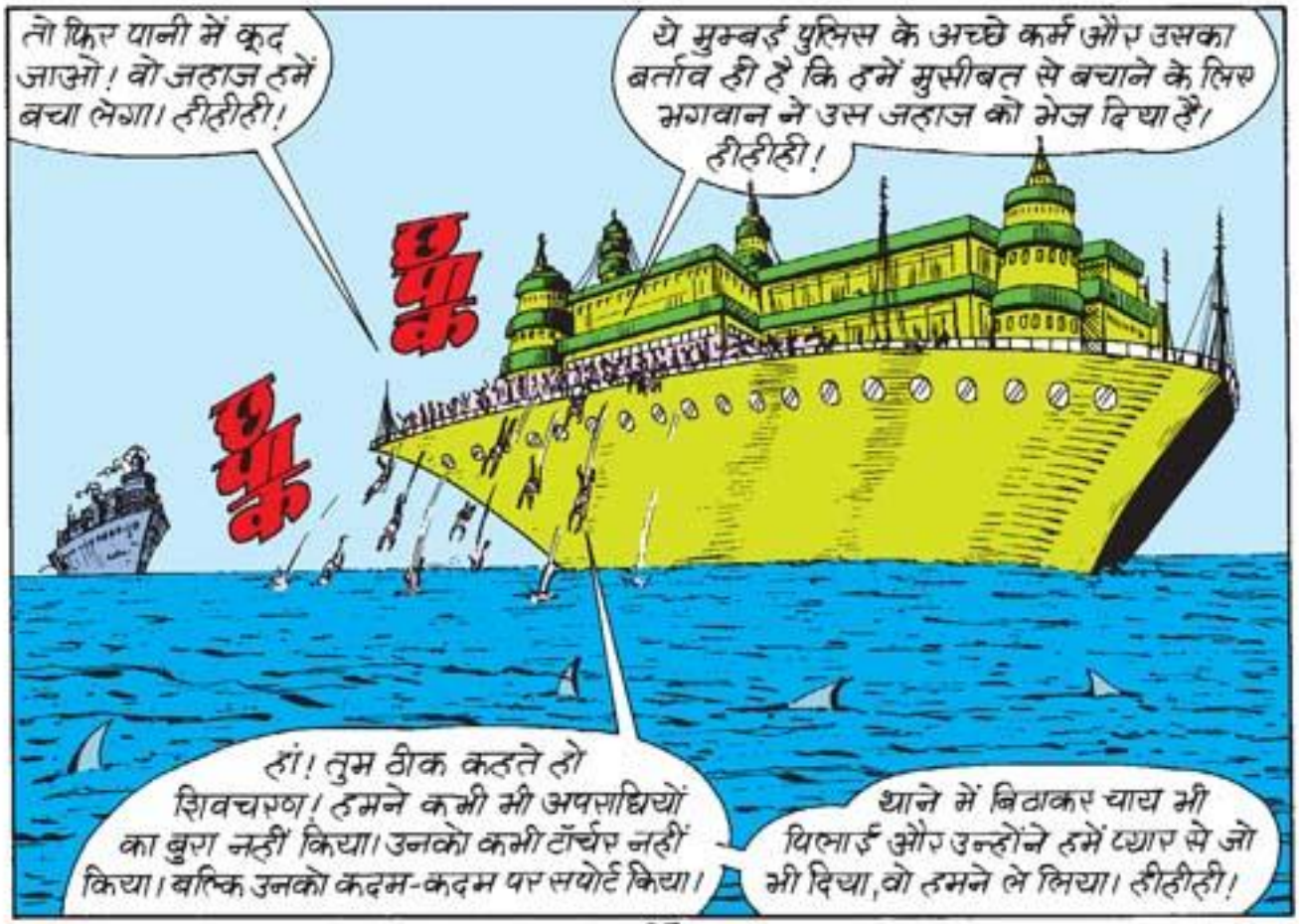
तो फिर पानी में कूद जाओ! वो जहाज हमें बचा लेगा। हीहीही!
ये मुम्बई पुलिस के अच्छे कर्म और उसका बर्ताव ही है कि हमें मुसीबत से बचाने के लिए भगवान ने उस जहाज को भेज दिया है। हीहीही!
धुक
धुक
हां! तुम ठीक कहते हो शिवचरण! हमने कभी भी अपराधियों का बुरा नहीं किया। उनको कभी टॉर्चर नहीं किया। बल्कि उनको कदम-कदम पर सपोर्ट किया।
थाने में बिठाकर चाय भी पिलाई और उन्होंने हमें प्यार से जो भी दिया, वो हमने ले लिया। हीहीही!

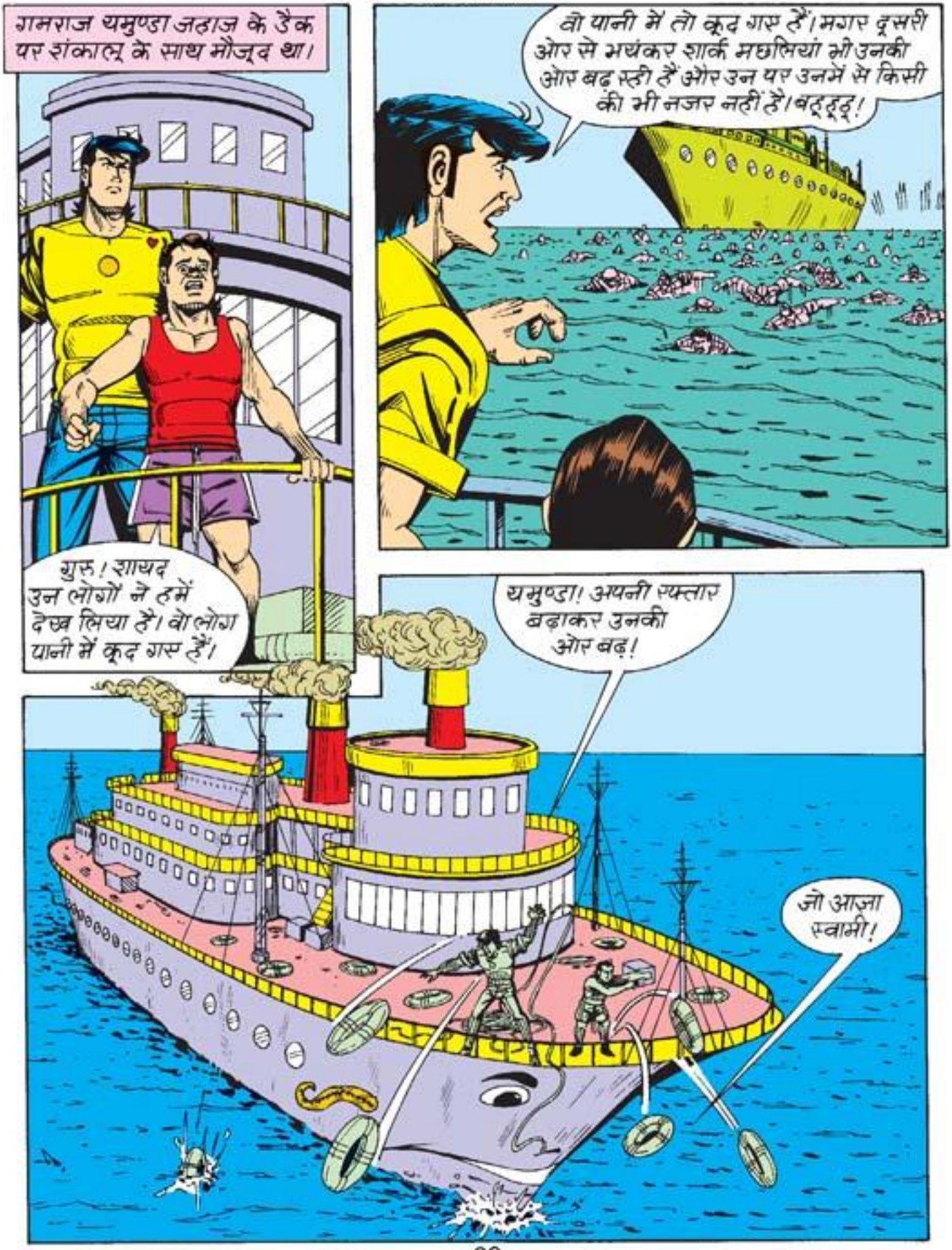
गमराज यमुण्डा जहाज के डैक पर शंकालू के साथ मौजूद था।
वो यानी में तो कूद गए हैं। मगर दूसरी ओर से भयंकर शार्क मछलियां भी उनकी ओर बढ़ रही हैं और उन पर उनमें से किसी की भी नजर नहीं है। बद्दूद्दू!
गुरु! शायद उन लोगों ने हमें देख लिया है। वो लोग यानी में कूद गए हैं।
यमुण्डा! अपनी रफ्तार बढ़ाकर उनकी ओर बढ़!
जो आज्ञा स्वामी!

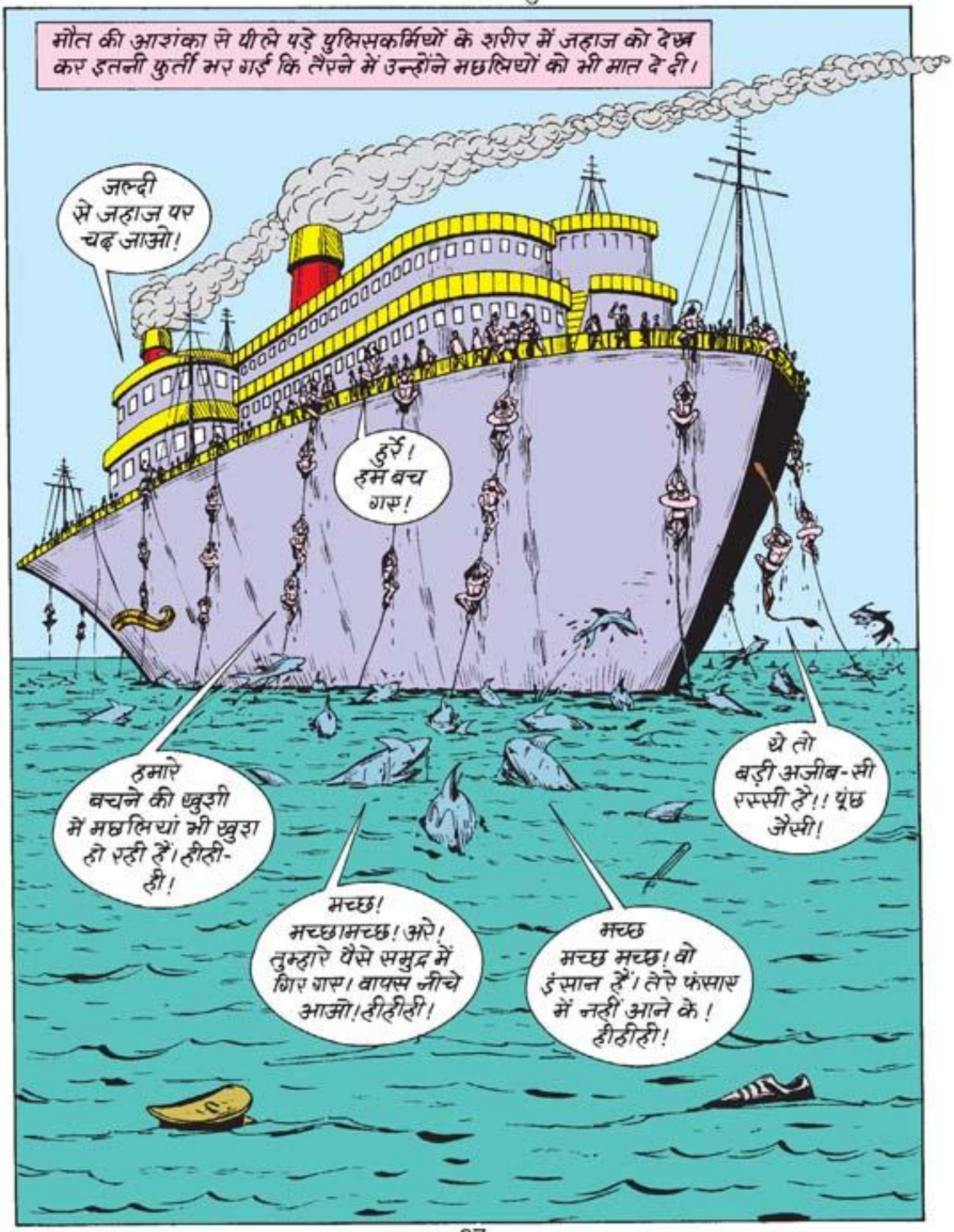
मौत की आशंका से पीले पड़े पुलिसकर्मियों के शरीर में जहाज को देख कर इतनी फुर्ती भर गई कि तैरने में उन्होंने मछलियों को भी मात दे दी।
जल्दी से जहाज पर चढ़ जाओ!
हुर्रे! हम बच गए!
हमारे बचने की खुशी में मछलियां भी खुश हो रही हैं। हीही-ही!
मच्छ! मच्छामच्छ! अरे! तुम्हारे पैसे समुद्र में गिर गए। वापस नीचे आओ! हीहीही!
मच्छ मच्छ मच्छ! वो इंसान हैं। तेरे फंसाए में नहीं आने के! हीहीही!
ये तो बड़ी अजीब-सी रस्सी है!! पूंछ जैसी!

गमराज का नाम सुर्खियों के साथ अखबार में छपा।
फिजूल टाइम्स! गमराज ने पूरी मुम्बई पुलिस फोर्स की रक्षा की।
टाइम वेस्ट! मगोसे गमराज मगोसे! हीहीही!
कल की खबर आज! गमराज! मानवता का सच्चा सेवक!

गमराज को ईनाम में एक मोबाइल फोन मिला और फोन पर मिली वह धमकी!
OR
बड़ा मानवता का रक्षक बना फिरता है। तेरे में दम है तो जरा बम ढूंढकर दिखा। अगर तूने पांच मिनट में बम नहीं ढूंढा तो तू मेरे हाथों से मरेगा। हीहीही!
कौन बोल रहा है तू?
बंदर घुड़की! फिर दूंगा। हीहीही!

हैलो! हैलो!
क्या हुआ गुरु? फोन किसका था? मेरी आंख फड़क रही है।
मानवता का दूसरा सच्चा सेवक मेरे सामने है। इसका बाल प्राप्त करना मुश्किल नहीं होगा। हीहीही!

बम तो ढूंढे, मगर बम ढूंढें कहां पर? उसने ये तो बताया ही नहीं कि बम रखा कहां पर है?
बिना ये बताए कि बम कहां पर रखा है, बम ढूंढना तो वाकई टेढ़ी खीर है।

शंकाम्! किसी बंदर घुड़की का फोन था। कह रहा था कि बड़ा मानवता का रक्षक बना फिरता है! तेरे में दम है तो जरा बम ढूंढकर दिखा! हीहीही!
तो फिर गुरु, देर क्यों कर रहे हो? बम ढूंढो! वो फट गया तो मुझे आशंका है कि कोई भी नहीं बचेगा। बद्दूद्दू!

सबसे पहले तो अपनी जेबें देख लो गुरु! कहीं किसी दुश्मन ने हमारी जेबों में ही बम न डाल दिया हो? बहूहूहू!
भला हमारी किसी से क्या दुश्मनी हो सकती है?

गुरु! उस दुबले-पतले अजीब से वस्त्र पहने युवक को देखो! वो हमारी ओर ही घूर रहा है। मुझे तो आशंका हो रही है कि कहीं तुम्हें फोन उसी ने तो नहीं किया? कहीं वही तो नहीं है, बंदर घुड़की?
हो सकता है। वो इधर ही आ रहा है।

शंकालू का काम तो शंका करना ही है।
गुरु! उसके पास मत जाना। कहीं वही तो बम नहीं है? क्या पता, वो मानव बम हो?
मानव बम?
अभी पता चल जाएगा।

डोगा के सिर का बाल तो मैंने प्राप्त कर लिया है। अब मुझे तुम्हारे सिर का एक बाल चाहिए। हीहीही!
मेरे सिर का बाल?
गुरु! इसकी बकवास पर ध्यान मत दो! इसकी जेब में मोबाइल ढूंढो!

गमराज तुरन्त बांकेलाल के पास पहुंचा-
कौन हो तुम? हमें क्यों घूर रहे हो?
हां! और बम के बारे में क्या जानते हो?
मेरा नाम बांकेलाल है, गमराज! मैं भूतकाल के विशाल गढ़ से आया हूं।

गमराज! मेरे पास समय बहुत कम है। अभी मुझे तीन और तेरे और डोगा जैसे समाज सेवक मानवों के बाल भी चाहिए।
गुरु! मुझे तो ये ढोंगी तांत्रिक लगता है। ये तुम्हारे बाल पर टोना-टोटका करके तुम्हें पागल बना देगा। इसको बाल हर्गिज मत देना।
??

बकवास मत करो! अपना बाल मुझे दे दो!
ओह! तुझे बाल देगा यमुण्डा!
मुझे तो बाल चाहिए। बाल चाहे कोई भी दे, इससे फर्क नहीं पड़ता। हीहीही!
यमुण्डा! जरा पीछे आकर इसको मेरा बाल तो दे। हीहीही!

बांकेलाल को क्या पता था कि यमुण्डा कौन है!
ओफ्फ! ये क्या?
धड़
शाबाश, यमुण्डा! इसकी अक्ल तो एक ही टक्कर में ठिकाने लग जाएगी। हीहीही!

अक्ल तो अब तुम्हारी ठिकाने लगेगी बच्चू जब ये औषधि चूर्ण तुम्हारे बालों की जड़ों में जाकर गिरेगा। हीहीही!
फूंsss
ये कैसा पाउडर है?

इस पाउडर का नाम है 'बढ़त मुसाफिर मोह लिया रे, पिंजरे वाली मुनिया।' हीहीही!
इसके प्रभाव में आकर तुम्हारे बाल बढ़ते हुए खुद मुझ तक पहुंच जाएंगे!

...और मैं खुद ही तोड़ लूंगा एक बाल! हीहीही!
सवाल ये है कि अब ये बढ़त रुकेगी कैसे? बढ़ढ़ढ़!
खच्च!
ग... गुरु! ये तो कोई जादूगर है। तुम्हारे बाल तो ऐश्वर्या राय से भी लम्बे हो गए हैं। बढ़-ढ़ढ़!

ये तेरी मौत के साथ ही रुकेगी, गमराज! मैंने तुझे बम ढूंढने के लिए पांच मिनट दिए थे जो समाप्त हो गए अब तेरी मौत मेरे हाथों होगी। मैं ही हूं, बंदर घुड़की! हीहीही!
उफ! मेरे बालों का भार इतना अधिक हो गया है कि मैं संभाल नहीं पा रहा हूं। आह! मैं गिरा!

गुरु! मैं माली की कैंची ले आया हूं। तुम्हारे बाल काट देता हूं। नहीं तो बंदर घुड़की भी मुसीबत खड़ी करने आ पहुंचा है।
कच्च!
ओह! तो बम इसी ने ढूंढने को कहा था।
कच्च!

कच्च!
कच्च!
ये बहुत छोटी कहानी है। बढ़ढ़ढ़!
मैं वो कहानी जरूर सुनूंगा। मुझे बचपन से कहानियां सुनने का शौक है। हीहीही!

हां! दरअसल कोई बम था ही नहीं! तो तुम ढूंढते कैसे? हीहीही! अब मैं जैसा कहता हूं, वैसा करो वरना इस गंडासे से तुम्हारे दो टुकड़े करने में जरा भी देर नहीं करूंगा।
मगर तुम्हारी मुझसे क्या दुश्मनी है?

"मुझे भी तेरी तरह दूसरे के फटे में टांग अड़ाने का बहुत शौक था। मेरा मतलब, मैं भी लोगों का गम देखकर पसीज जाता था। मैं लोगों की मदद करना चाहता था, मगर लोग मुझे घुड़क देते थे।"
क्या कहा? अबे, फटीचर! तू मेरा कर्जा उतारेगा? तेरे पांव में चप्पल टूटी हुई है। कपड़े तेरे फटे हैं। बालों से घिन्न आ रही है। नाक तेरी बह रही है। तू मेरी क्या मदद करेगा? फटीचर कहीं के! चल हट!
धाड़
हाय!
"लोगों की मदद करने के लिए धन पास होना चाहिए। ये सोचकर मैंने कमाना आरम्भ किया। मगर मैं दिन-भर मेहनत करके जो कमाता था, गुण्डे मुझसे छीन लेते थे।"
अबे, ला इधर! हमारा गला सूखेला है। इन रुपयों से दारू खरीदकर पीयेंगे। हीहीही!
"मुझे हर कोई घुड़ककर चला जाता था।"
"एक दिन मैं बैठा चने खा रहा था कि बंदरों ने मुझे घेरकर घुड़की देना शुरू कर दिया।"
खीं खीं!
खीं-खीं! अबे, डर! हीहीही!
नहीं! मैंने तीन दिन से कुछ नहीं खाया। अगर बंदरों ने चने भी छीन लिए तो मैं भूखा मर जाऊंगा। बहुहुहु!
"मुझे क्रोध आ गया। मैंने पास पड़ा डण्डा उठाया और घुड़की देते बंदरों के मारने को दौड़ा-"
अबे! तुम्हारी तो बे! गुर्रर्रर!
खीं खीं! ये समझ गया कि हम केवल बंदर घुड़की देते हैं। काटना हमारे बस का नहीं है। बहुहुहु!
"जब बंदर डरकर भाग गए तो मैं खुशी से उछल पड़ा-"

"मैं सोचने लगा-"

जब तक मैं लोगों से भयभीत होता रहा, लोग मुझे डराते- धमकाते और लड़काते रहे। आज मैंने लड़काया तो जानवर भी डर गए!

TELEPHONE BOOTH

तो क्यों न यही तरीका मैं लोगों पर भी आजमाऊं? हीहीही! आज से शराफत गई तेल लेने!

"मैंने एक सेठ को बंदर घुड़की दी।"

सेठ! पांच लाख रुपये शाम को टिड्डा चौक पर पहुंचा दे, नहीं तो तेरे घर में सांप छोड़ दूंगा।

"मुझे पांच लाख रुपये मिल गए।"

"मोटी कमाई के चक्कर में एक दिन मैंने एक हवाई जहाज हाइजैक कर लिया।"

इस डिब्बे में उंक वाले तत्तैये भरे हैं। अगर कोई गड़बड़ की तो मैं इसे खोल दूंगा। हीहीही!

"मगर बदकिस्मती! प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसका मलबा बड़मूदा ट्रायंगल तक उछल गया।"

कड़ाक

"मुझे महान बड़मूदा ने बचा लिया। मेरे जैसे घंघे वालों की वो बड़ी इज्जत करता है। और हम उसकी। अब मैं तुम्हें वहीं लेकर जा रहा हूं।"

बांकेलाल को भी पता लग चुका था कि उसे किस टाइप के भोगों के सिर के बाल चाहिए।

मुझे उन भोगों के सिर के बाल चाहिए जो डोगा और गमराज की तरह सुपर हीरो या हीरोईन बनकर समाज सेवा में लगे हैं। और ये कम्प्यूटर बता रहा है कि ऐसे बहुत से भोग हैं। जैसे महानगर में नागराज राजनगर में सुपर कमाण्डो ध्रुव और इंस्पेक्टर स्टील!

दिल्ली में परमाणु और तिरंगा रूपनगर में संध्योनी। आसाम के जंगल में भेड़िया और कोबी! और शक्ति, जो पूरे विश्व में कहीं भी हो सकती है। हीहीही!

लेकिन ये क्या?

अब इनमें से ही किन्हीं तीन के बाल मुझे और चाहिए। हीहीही!

उफ! अचानक मुझे सांस लेने में संकट महसूस हो रहा है।

संकट था, नजरबट्टू!

मुझे चाहिए, शक्ति! जो नारी हितों के लिए लड़ती है। हीहीही!

मैं हमेशा सम्पन्न और सुखी भोगों को लगता हूं!!

जब कोई किसी से चिढ़ता है तो ये दूसरे की सम्पन्नता की निशानी होती है। हीहीही!

बस। इसी से मुझे सम्पन्न भोगों का पता लग जाता है। जिनका कि मुझे कबाड़ा करना होता है और मैं उस पर लग जाता हूं। हीहीही! इसी को कहते हैं, नजर लगाना!

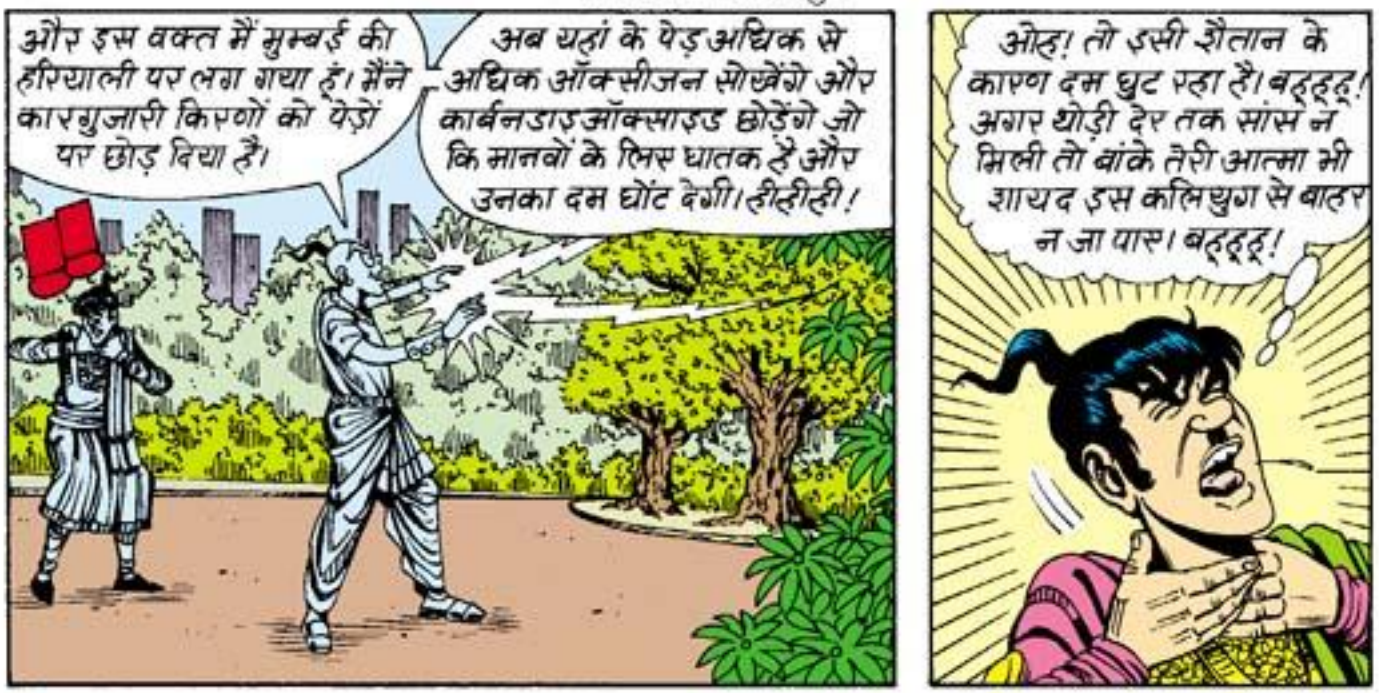

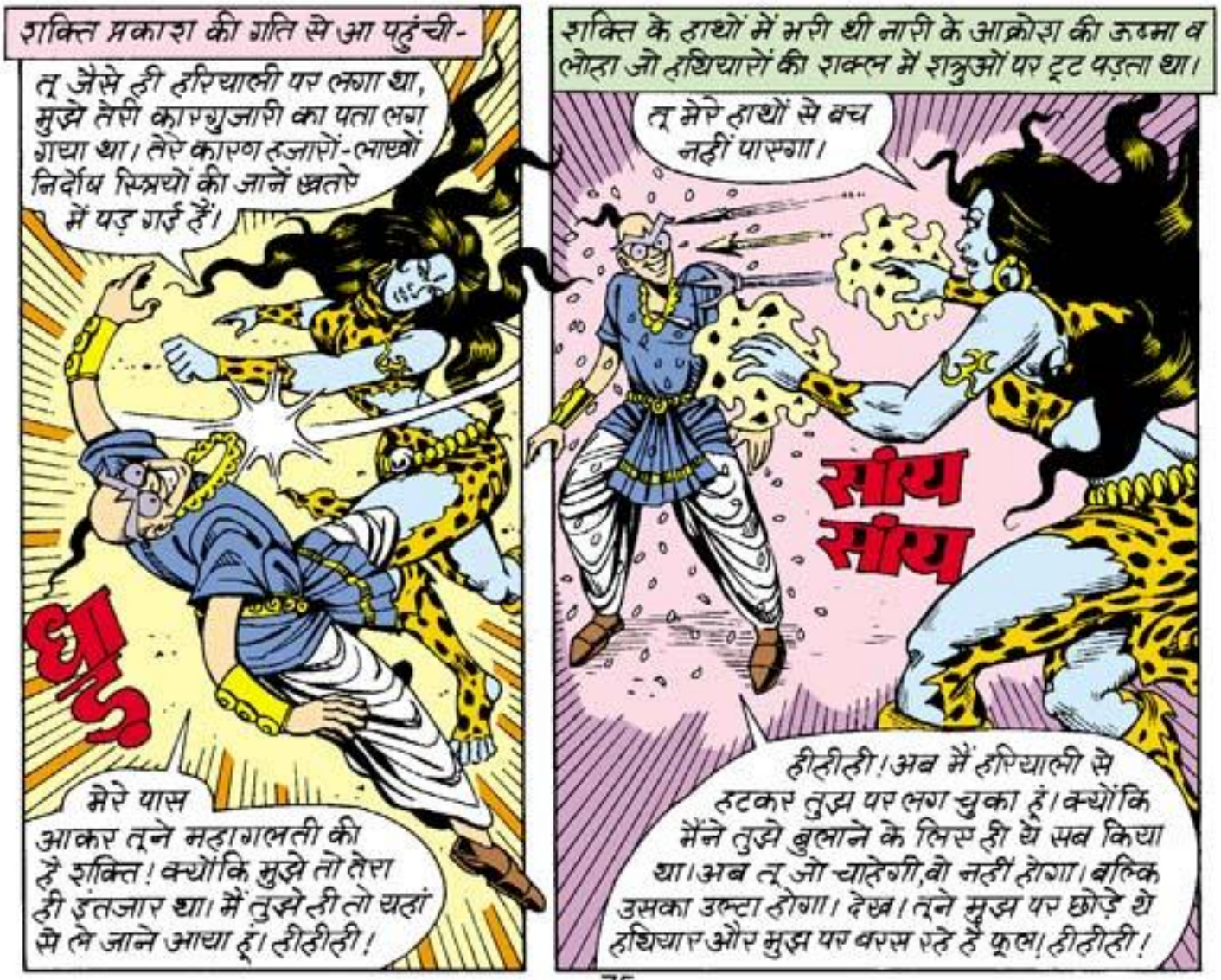

और इस वक्त मैं मुम्बई की हरियाली पर लग गया हूं। मैंने कारगुजारी किरणों को पेड़ों पर छोड़ दिया है।
अब यहां के पेड़ अधिक से अधिक ऑक्सीजन सोखेंगे और कार्बनडाइऑक्साइड छोड़ेंगे जो कि मानवों के लिए घातक हैं और उनका दम घोंट देगी। हीहीही!
ओह! तो इसी शैतान के कारण दम घुट रहा है। बहहह! अगर थोड़ी देर तक सांस न मिली तो बांके तेरी आत्मा भी शायद इस कलियुग से बाहर न जा पाए। बहहह!
शक्ति प्रकाश की गति से आ पहुंची-
तू जैसे ही हरियाली पर लगा था, मुझे तेरी कारगुजारी का पता लग गया था। तेरे कारण हजारों-लाखों निर्दोष स्त्रियों की जानें खतरे में पड़ गई हैं।
धाड़
मेरे पास आकर तूने महागलती की है शक्ति! क्योंकि मुझे तो तेरा ही इंतजार था। मैं तुझे ही तो यहां से ले जाने आया हूं। हीहीही!
शक्ति के हाथों में भरी थी नारी के आक्रोश की ऊष्मा व लोहा जो हथियारों की शक्ल में शत्रुओं पर टूट पड़ता था।
तू मेरे हाथों से बच नहीं पाएगा।
सांय सांय
हीहीही! अब मैं हरियाली से हटकर तुझ पर लग चुका हूं। क्योंकि मैंने तुझे बुलाने के लिए ही ये सब किया था। अब तू जो चाहेगी, वो नहीं होगा। बल्कि उसका उल्टा होगा। देख! तूने मुझ पर छोड़े थे हथियार और मुझ पर बरस रहे हैं फूल। हीहीही!

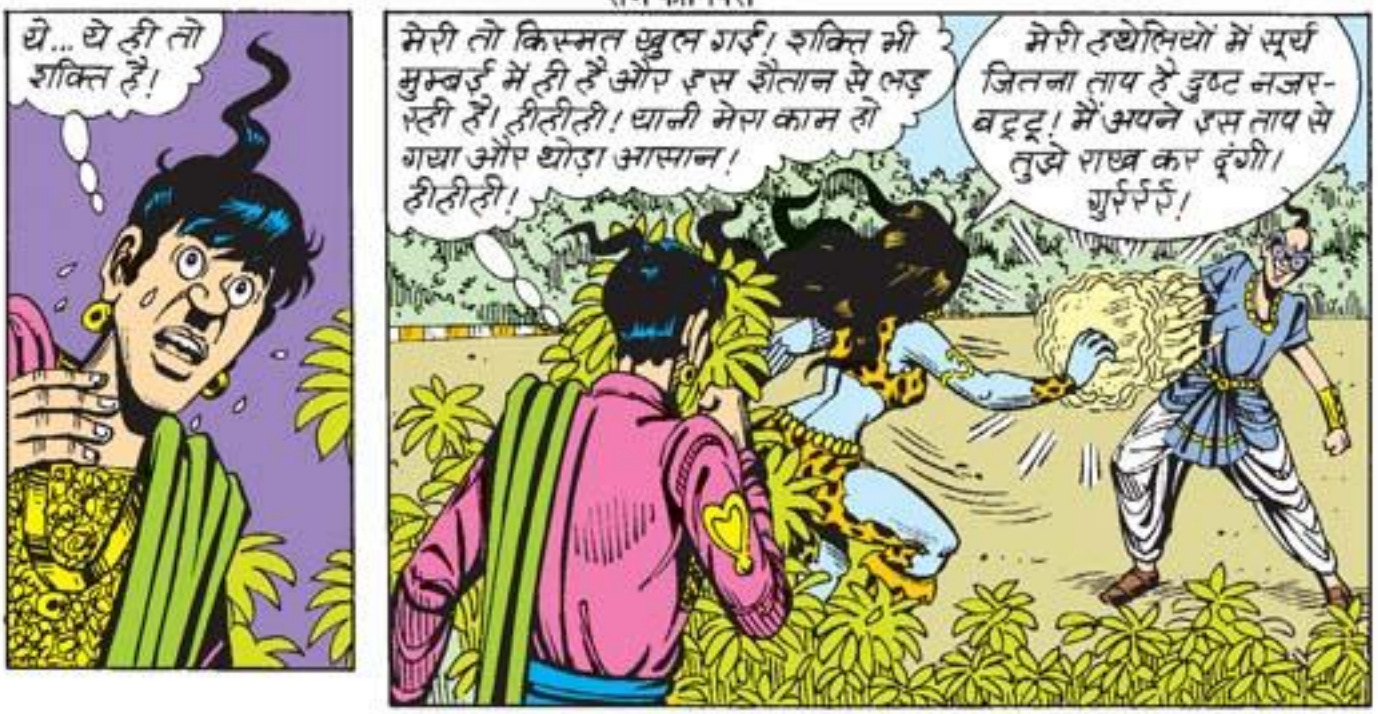
ये... ये ही तो शक्ति है!
मेरी तो किस्मत खुल गई! शक्ति भी मुम्बई में ही है और इस शैतान से भड़ रही है। हीहीही! यानी मेरा काम तो गया और थोड़ा आसान! हीहीही!
मेरी हथेलियों में सूर्य जितना ताप है दुष्ट नजरबट्टू! मैं अपने इस ताप से तुझे राख कर दूंगी। गुर्रर्रर्र!

हीहीही! मैंने तेरी शक्तियों पर नजर भगाकर उनके योग बदल दिये हैं, शक्ति! देख! तूने छोड़ा ताप और ताप हो गया भाप! अब हो रही है, स्नो-फॉल! हीहीही!
बड़ा इतरा रही थी अपनी शक्तियों पर। महान बड़मूदा की नाक में दम कर रखा था तूने! चल, तुझे वहीं लेकर चलूंगा। हीहीही!
आह!
अगर ये नजरबट्टू शक्ति को कहीं पर ले गया तो मुझे इसका बाल कैसे मिलेगा? बट्टूट्टू!

बांकेलाल के रहते ऐसा नहीं हो सकता। छोड़ शक्ति को!
उफ! इसने तो मेरे सारे बाल ही खराब कर दिए।
धाड़
मैं तेरी ताकत पर नजर लगा दूंगा क्योंकि मेरे पास तेरे से लड़ने का फालतू समय नहीं है। हीहीही!
समय तो मेरे पास भी नहीं है, दुष्ट!
मैं दोबारा कंघी करके अपने बाल ठीक कर लूं। मेरे बाल बिगड़ जाएं तो मुझे काम करने में जरा भी मजा नहीं आता। हीहीही!
उफ! इस कम्बख्त ने न जाने बालों को कैसे पकड़ा है? सारे बाल उलझ गए हैं। बहूहूहू!
अरे! उसकी ताकत पर तो कोई फर्क नहीं पड़ा। बहूहूहू!

कम्बख्त! मैं भूतकाल से खाली हाथ जाने के लिए नहीं आया। शक्ति का बाल तो मैं लेकर ही जाऊंगा। गुर्रर्रर्र!
ओह! ये भूतकाल का है। तो ये कारण है मेरी शक्ति के निष्क्रिय हो जाने का। बहुहुहु! आह!
इसको केवल उसी काल के नजरबट्टू की ही नजर लग सकती है।
बाल सुलझाते-सुलझाते मेरे कितने सारे बाल टूट गए। मेरे बालों का सत्यानाश डेंड्रफ के कारण हो रहा है। आज घर पहुंचते ही शैम्पू करूंगी। बहुहुहु! गुर्रर्रर्र!
नजरबट्टू खतरा भांपकर पुनः शक्ति पर झपटा।
अब मैं एक पल भी यहां और नहीं रुकूंगा। वरना ये बांकेलाल मुझे नहीं छोड़ेगा।
नजरबट्टू! बाल मत पकड़ियो! मैंने अभी दोबारा कंघी की है। गुर्रर्रर्र!
इसी के साथ नजरबट्टू शक्ति सहित वहां से गायब हो गया।
उफ! यहां से जाने के लिए प्रकाश गति का प्रयोग नहीं कर पा रही।
अरे! नजरबट्टू शक्ति सहित गायब हो गया? हुण तेरा की होऊ बांकेलाल? बहुहुहु!

जाते-जाते शक्ति कह रही थी कि अभी-अभी मैंने कंघी की है। जब वो गायब हो रही थी उसके हाथ में कंघी थी।
कंघी उसके हाथ से छूट गई थी।
ओह, हां! वो रही वह कंघी!
और कंघी में फंसे ये बाल शक्ति के ही हैं। हीहीही!
दिल्ली में अचानक भतीका-किलर का आतंक फैल गया था।
ध्यान से सुनो, इंस्पेक्टर विनय!
उसके शब्दों में जादू है। वो जब भी भतीफा सुनाना आरम्भ करता है तो उसे सुनना सामने वाले की विवशता बन जाती है। बहूहूहू!
और एक बार भतीफा सुनकर हंसना शुरू करने वाला हंसते-हंसते पागल हो जाता है।
दिल्ली का पागलखाना हाउसफुल हो चुका है। बाकी पागलों को आगरा ट्रांसफर किया जा रहा है।
मैं उसे ढूंढ निकालूंगा!
फिलहाल तो बांकेलाल ने उसे ढूंढ निकाला था।
मुझे कौरन परमाणु बनना होगा।
अरे! मैंने तो परमाणु के पास पहुंचने के लिए यात्रा मंत्र पढ़ा था। मगर ये तो पुलिसवाला है?
ओह! समझ गया! यही परमाणु बनता होगा। डोगा की तरह मास्क लगाकर। हीहीही!

नहीं! मेरी आंखें ऐसा धोखा नहीं खा सकतीं।
मेरे ख्याल में तुम अभी-अभी यहां पहुंचे हो?
हां! पहुंचा हूं। और मेरे ख्याल में तुम परमाणु बनने जा रहे थे। हीहीही!

प... प... परमाणु?
क्या बकते हो? कौन हो तुम?
बांकेलाल! और मैं जानता हूं कि तुम परमाणु हो। मैं भूतकाल से आया हूं।
मुझसे कुछ भी नहीं छुपा। मैं जानता हूं कि तुम परमाणु हो। यदि तुमने मुझे अपने सिर का बाल नहीं दिया तो समझो कल ये रहस्य सारी दुनिया जान जाएगी। हीहीही!

और अगर मैं बाल दे दूं तो?
तो मैं वापस भूत-काल को लौट जाऊंगा। तब ये रहस्य, रहस्य ही रहेगा हीहीही!

मरता क्या न करता! विनय को बांकेलाल को बाल देना ही पड़ा -
यह लो!
वाह! मेरा काम तो बन गया। हीहीही!

मैं चला यात्रा मंत्र पढ़कर आसाम को। आखिरी बाल लेने भेड़िया के पास!
ये सपना था या हकीकत? बड़बड़!
तिरंगा इस वक्त अमेरिका गया हुआ है अन्यथा दिल्ली में ही मिल जाता मुझे पांचवा बाल भी!

इंस्पेक्टर विनय परमाणु के रूप में दिल्ली की आंख बनकर आकाश पर मंडराया।

मुझे भतीजे की ओर ध्यान देना चाहिए। कहीं तो मिलेगा। मुझे वो भतीजे सुनाकर लोगों को हंसाता हुआ। ओह! वहां पर नीचे हंसते लोगों की भीड़ लगी है।

हाहाहा!

हाहाहा!

यही है भतीजा!

हीहीही!

हीहीही!

ओह! परमाणु! मुझे तेरा ही इंतजार था। तू आ गया। अब मैं तुझे भी भतीजा सुनाऊंगा।

परमाणु!

मेरी जिन्दगी खुद एक भतीजा है।

मैं अपनी बीवी से बहुत परेशान था।

मैं उससे छुटकारा पाना चाहता था। मगर वो हर समय मेरे साथ रहती थी। छुटकारा असंभव था।

एक दिन मुझे मौका मिल गया।

मैंने उसे 'आइसपाइस' खेलने के लिए मना लिया था। हीहीही!

वो छुप गई। मैं उसे ढूंढने के बहाने अपने कमरे में पहुंचा। अपना सूटकेस मैंने पहले ही तैयार कर लिया था।

मैंने सूटकेस उठाया और वहां से नौ दो ग्यारह हो गया।

मैंने ट्रेन पकड़ी और पटना के होटल में पहुंचा। वहां मैं चैन की सांस लेकर नहाने चला गया।

मैं खुशी से फूला नहीं समा रहा था। मैं अपनी बीवी से छुटकारा पाकर वो शहर ही छोड़कर भाग आया था। हीहीही!
मैं नहा धोकर कमरे में आया!
अपने कपड़े निकालने के लिए जैसे ही सूटकेस खोला कि उसमें से मेरी बीवी निकली और मुझे धक्का देती हुई चिल्लाई, 'अजी, धय्या! हीहीही!
हीहीही!
हाहाहा! परमाणु! अब तू मेरे भतीजे का शिकार हो गया है। अब तू यहां अपनी किसी शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकता। क्योंकि ये हंसी तेरे दिमाग को भतीजे के अलावा कुछ भी सोचने नहीं देगी। हीहीही!
अब तू जाएगा, मेरे साथ! हीहीही!
हाहाहा! धय्या! हीहीही!
बांकेलाल भी सफलता के निकट ही था।
में आ गया आसाम के जंगलों में। अब यहां से भेड़िया के पास पहुंचने में मुझको देर नहीं लगेगी। हीहीही!
भेड़िया जंगल की रक्षा के लिए वचनबद्ध था।
धड़
निर्दयी शिकारियो! भेड़िया तुम्हें निर्दोष व बेज़ुबान प्राणियों पर जुल्म नहीं करने देगा।
यही है, भेड़िया! हीहीही!

बस, भेड़िया! बहुत हो गया! अब जंगल की चिंता छोड़! तुझे लेने स्टोम् आया है।
ये भेड़िया का कोई शत्रु लगता है।
धाड़

स्टोम् ने विचित्र किरणें भेड़िया पर छोड़ीं।
ये स्टॉप एण्ड मूव किरणें हैं, भेड़िया जिनसे मैं तुझे स्टॉप कर दूंगा। अब जब तक मैं 'मूव' नहीं कहूंगा, तू ऐसे ही निष्क्रिय पड़ा रहेगा। हीहीही!

इसकी इसी हालत में मैं अपना काम तो कर ही सकता हूं। हीहीही!
स्टोम् भाई! ये मेरा भी दुश्मन है। इसकी हड्डियां तो मैं कभी तोड़ नहीं पाया पर मेरी कब से इच्छा थी कि इसका एक बाल तो अवश्य तोड़ूंगा। हीहीही!
ऐसा क्या? तो जा, ऐश कर! हीहीही!

भेड़िया! आखिरी बार जंगल को देख ले क्योंकि इसके बाद तू यहां कभी वापस नहीं आएगा। हीहीही!
वो मारा! मुझे मिल गए, पांच मानवता के रक्षकों के बाल। अब मैं यात्रा मंत्र बोल कर वापस विशालगढ़ जा सकता हूं। हीहीही! मगर बेचारे पांचों सुपर हीरो? हीहीही!

जबकि इधर बड़मूदा में-
महान बड़मूदा को थैंटम, नजरबट्टू, बंदरघुड़की, भलीफा और स्टोमू का प्रणाम!

महान बड़मूदा! हम अपने लक्ष्य में कामयाब होकर लौट आए हैं। हीहीही!

वो तो मैं देख ही रहा हूं कि तुम इन सुपर हीरोज और हीरोइन को ले आए हो। हीहीही! इन्होंने बदमाश लोगों का जीना हराम कर रखा था। मेरे हाथों अब इनकी मौत के बाद अपराध फिर से तेजी से सिर उठाएगा। लोग तेजी से मरेंगे। और महाजल्लदैत्य को तब इतनी सारी नरबलियां देकर एक दिन में अमर हो जाऊंगा। हीहीही!

डोगा! यमराज! शक्ति! परमाणु! भेड़िया! मरने के लिए तैयार हो जाओ! मेरा गंडासा तुम्हारे सिर उतारने आ रहा है। हीहीही!
हीहीही! मैं आया ऽऽ आया ऽऽ आया ऽऽ
शैतान! हमें अपनी मौत का उतना अफसोस नहीं है जितना तेरे जिन्दा बच जाने का रहेगा!

... आया ऽऽ आया! मैं इनकी गर्दनें एक झटके में काट क्यों नहीं पाया? बह्ह्ह्!
तभी गूंज उठा एक क्रोधित स्वर-
बड़मूदा! नालायक! ये तूने क्या किया? पवित्र गंडासे काटू से तूने मुझे खण्डित बलियां देने की चेष्टा की? हुण तेरा की होऊगा?
ऐसा होने पर ही लिखा था मेरा अंत! बह्ह्ह्!
अबे! पागल के बच्चे! इनको मारने के लिए यहां आया था या खुद मरने के लिए। हीहीही!
महान बड़मूदा! तां फेर आप्पां दा की होऊ?
हम तुम्हारे जादू से बंधे थे। मगर तुम्हारे स्वामी बड़मूदा की मृत्यु के साथ ही अब खुल गए। हीहीही!

पेंटम! तेरी जान को कब्ज का वरदान था न? तो ले!
मैं चलते समय यमराज के घर से उस वरदान की काट 'आई वो काटे' कायम चूर्ण की बोतल ले आया था जो कि उसी कब्ज का इलाज है।
घुप्प
आह!
अब तेरी जान आसानी से निकलेगी! हीहीही!
जिंग
आह! तुण आय्यां दा कुछ नहीं हो सकदा हैगा से। बहूहूहू!
यमराज क्रोधित था।
तेरा इलाज भी मैंने सोच लिया है बंदरघुड़की! तुझे मारूंगा बालों के हण्टर से!
नहीं! मुझे कैसी भी मार से डर लगता है। बहूहूहू!
क्यों! डर गया बंदरघुड़की? मैंने तो तुझे सिर्फ घुड़की दी थी। मैं समझ गया था कि तू केवल घुड़कियां ही देता है, करता कुछ नहीं। हीहीही!
कतन्म
आह! मेरी मौत बंदर घुड़की से ही होनी थी। बहूहूहू!
और तू मुझे नजर लगाना चाहता था शैतान नजर-बट्टू! अब लगा नजर! हीहीही!
ओह! नजर काट मुखौटा!

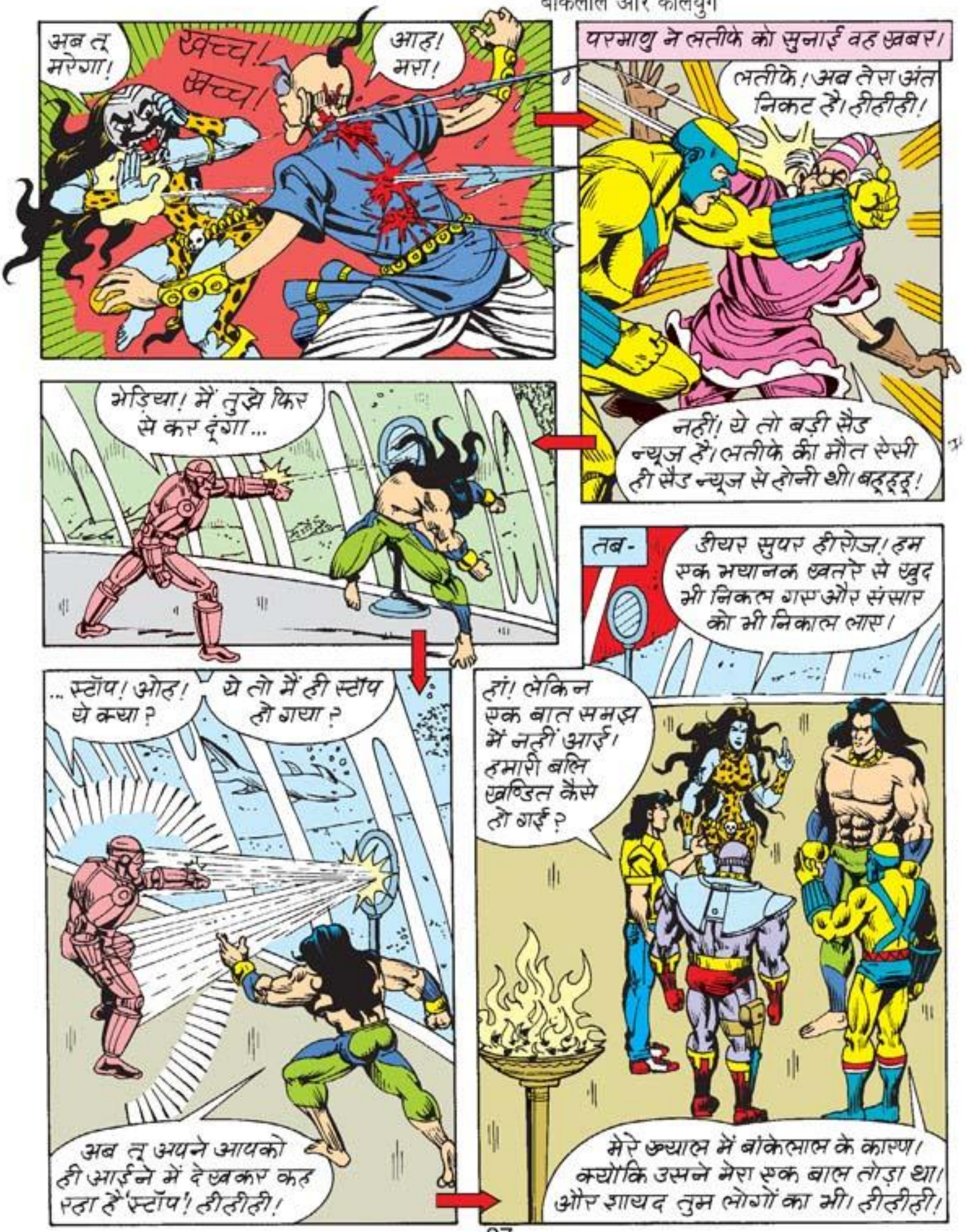
अब तू मरेगा!
खच्च! खच्च!
आह! मरा!
परमाणु ने भतीफे को सुनाई वह ख़बर।
भतीफे! अब तेरा अंत निकट है। हीहीही!
नहीं! ये तो बड़ी सैड न्यूज है। भतीफे की मौत ऐसी ही सैड न्यूज से होनी थी। बद्दुद्दु!
भेड़िया! मैं तुझे फिर से कर दूंगा...
तब-
डीयर सुपर हीरोज! हम एक भयानक ख़तरे से ख़ुद भी निकल गए और संसार को भी निकाल लाए।
...स्टॉप! ओह! ये क्या?
ये तो मैं ही स्टॉप हो गया?
हां! लेकिन एक बात समझ में नहीं आई। हमारी बलि खण्डित कैसे हो गई?
अब तू अपने आपको ही आईने में देखकर कह रहा है 'स्टॉप'! हीहीही!
मेरे ख्याल में बांकेलाल के कारण। क्योंकि उसने मेरा एक बाल तोड़ा था। और शायद तुम लोगों का भी। हीहीही!

ओह, हां! बाल तो उसने तोड़ा था।
यदि वो ऐसा नहीं करता तो हम अपने प्राणों से हाथ धो बैठते। बहहह!
बांकेलाल हमारे लिए भगवान का रूप लेकर आया था।
हमने संकट चौथ का व्रत रखा था। इसलिए भगवान गणेश ने हम पर कृपा की जो बांकेलाल को कलियुग में भेजा।
मगर हम बड़मूदा प्रभाव से अभी तक बचे कैसे हुए हैं? ये तो बड़ी खतरनाक जगह है।
!!
तभी गूंज उठा वह स्वर-
!!
!!
!!
तुम लोगों को प्राप्त हुआ है बड़मूदा का वो अमरत्व जिसे वो नब्बे प्रतिशत प्राप्त कर चुका था। उसी ने तुम्हारे सभी जानलेवा संकटों को हर लिया है और जो तुम्हें यहां से जीवित निकालकर वापस वहीं पहुंचा देगा, जहां से तुम्हें लाया गया था। वहां पहुंचते ही तुम फिर से अपना सामान्य जीवन जी सकोगे। मेरे ये कहते ही कि 'हो जाओ दुड़की' तुम गायब हो जाओगे। बहहह!
??
!!
हो जाओ दुड़की! हीहीही!
ओह! आज बांकेलाल सबसे बड़ा सुपर हीरो साबित हुआ।
तुम ठीक कहते हो परमाणु! क्योंकि आज उसने बचाई हैं, सुपर हीरोज की जानें!
सभी सुपर हीरोज के बाल तोड़ने के कारण आने वाला मृत्यु का संकट भी टल गया था।

बांकेलाल भी कलियुग से डुबकी होकर वापस विशालगढ़ के तपोवन में आ पहुंचा था-
बांकेलाल लौट आया। हीहीही!
बांकेलाल! मैं हाथ में छुआरा लिए तुम्हारे लौटने की ही प्रतीक्षा कर रहा था। हीहीही!
बहूहूहू! जान बची और लाखों पाए!
बांकेलाल ने छुआरा खाकर वे बाल पंच-ऋषियों को छुआए ही थे, कि-
ओह! हम जीवित हो गए! हीहीही!
अब हम इन पांचों बालों की मदद से बनाएंगे भयंकर मारक अस्त्र 'पोड़की पड़यां' जो केवल एक बार ही चलता है। हीहीही!
इस अस्त्र को मैं चलाऊंगा। हीहीही!
और उड़ाऊंगा मोटे की गर्दन! ही हीही!
पंचऋषि ने भविष्य के सुपर हीरोज के बालों से तैयार किया भयंकरास्त्र पोड़की पड़यां।
हीहीही! यही है भयंकरास्त्र पोड़की पड़यां! हीहीही!
पोड़की पड़यां हाथ में आते ही-
बांकेलाल! अब शीघ्रता से जाकर इस पोड़की पड़यां की मदद से उस दुष्ट भंवर का अंत करके उसकी कैद से सुनामी को स्वतंत्र करा लाओ! भंवर की मृत्यु के साथ ही बदनामी की अक्ल भी ठिकाने आ जाएगी। हीहीही!

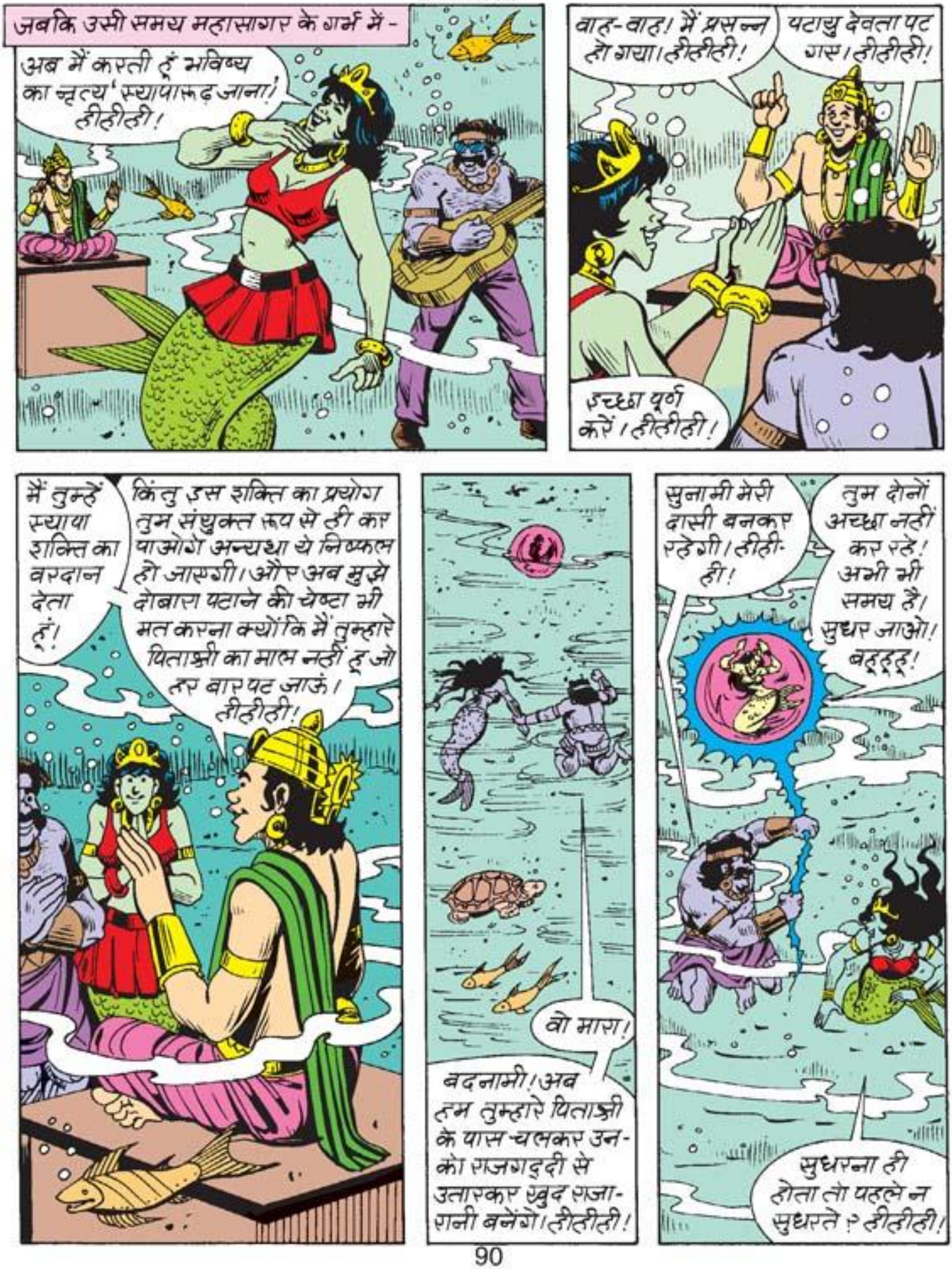

जबकि उसी समय महासागर के गर्भ में -
अब मैं करती हूं भविष्य का नृत्य 'स्यापारूढ़ जाना'! हीहीही!
वाह-वाह! मैं प्रसन्न हो गया। हीहीही!
पटाग्रु देवता पट गए। हीहीही!
इच्छा पूर्ण करें। हीहीही!
मैं तुम्हें स्यापा शक्ति का वरदान देता हूं!
किंतु उस शक्ति का प्रयोग तुम संयुक्त रूप से ही कर पाओगे अन्यथा ये निष्फल हो जाएगी। और अब मुझे दोबारा पटाने की चेष्टा भी मत करना क्योंकि मैं तुम्हारे पिताश्री का माल नहीं हूं जो हर बार पट जाऊं। हीहीही!
वो मारा!
बदनामी! अब हम तुम्हारे पिताश्री के पास चलकर उनको राजगद्दी से उतारकर खुद राजा-रानी बनेंगे। हीहीही!
सुनामी मेरी दासी बनकर रहेगी। हीही-ही!
तुम दोनों अच्छा नहीं कर रहे! अभी भी समय है। सुधर जाओ! बहूहूहू!
सुधरना ही होता तो पहले न सुधरते? हीहीही!

शीघ्र ही-
ओह! ये क्या? हमारा महल गोल-गोल घूमने लगा है! शायद शैतान भंवर आस-पास ही है। बहूहूहू!
आपने ठीक कहा ससुर-श्री! मैं आपके सामने ही हूं। हीहीही!
दुष्ट! तेरी यहां आने की हिम्मत कैसे हुई?
अब हमारे पास है भूकम्प शक्ति 'स्याया' जो यदि समुद्र में लहरों का उफान मचा दे तो किनारे पर रहने वाले सभी मानव तुरन्त उसके प्रभाव में आकर मारे जाएंगे।
और आपकी बड़ी बदनामी होगी। आपकी भलाई इसी में है कि अपनी राजगद्दी मुझे सौंप दें और मुझे अपना दामाद स्वीकार कर लें। हीहीही!
दुष्ट नराधम! तेरी ये इच्छा कभी पूर्ण नहीं होगी।
तो फिर ठीक है! मैं बदनामी के साथ मिलकर समुद्र में स्याया पैदा करता हूं। हीहीही!
नहीं!!

उधर उसी समय-
तड़ाक
आह! बांके! थोड़की पड़या मेरे सिर पर क्यों दे मारा? हीहीही!
मेरी इच्छा! हीहीही!
जबकि उसी समय महासागर में-
आह
भंवर! तुम्हें क्या हुआ?
मेरी खोपड़ी तभी टूटनी थी जब विशालगढ़ के राजा की खोपड़ी पर बेलन का प्रहार किया जाता! बहूहूहू! शायद ऐसा हो गया है?
पिताश्री! कृपा मुझे क्षमा करें! मैं घर के सारे काम करने को तैयार हूं! बहूहूहू!
पिताश्री! इसे क्षमा करें! ये सुधरना चाहती है! हीहीही!
नहीं! मैं इसको क्षमा नहीं करूंगा! मैं इसे महासागर की लहरों के थपेड़ो के हवाले करता हूं!
बदनामी लहरों के साथ बह गई! तब-
ये सब राजा विक्रमसिंह की मदद से ही संभव हो पाया है! हीहीही!

मुझे तुरन्त उनसे मिलने जाना होगा। दीदीदी!

फिर-
हम आपके अभारी हैं, महाराज!

ये महासागर क्या कह रहा है? मोटे के स्थान पर भंवर की खोपड़ी कैसे फूट गई? बड़बड़!
बांके! दे पुच्ची!
तेरा सत्यानाश मोटे!

बांके भागा-भागा पाषू देवता के पास पहुंचा-
पाषू देवता! तुमने तो कहा था कि तुम पर माथा फोड़ने से राजयोग पैदा होगा?
हां! कहा था, पर झूठ मत बोल! तूने अपनी तोतली भाषा में कहा था कि लाद योग पैदा होगा। दीदीदी!

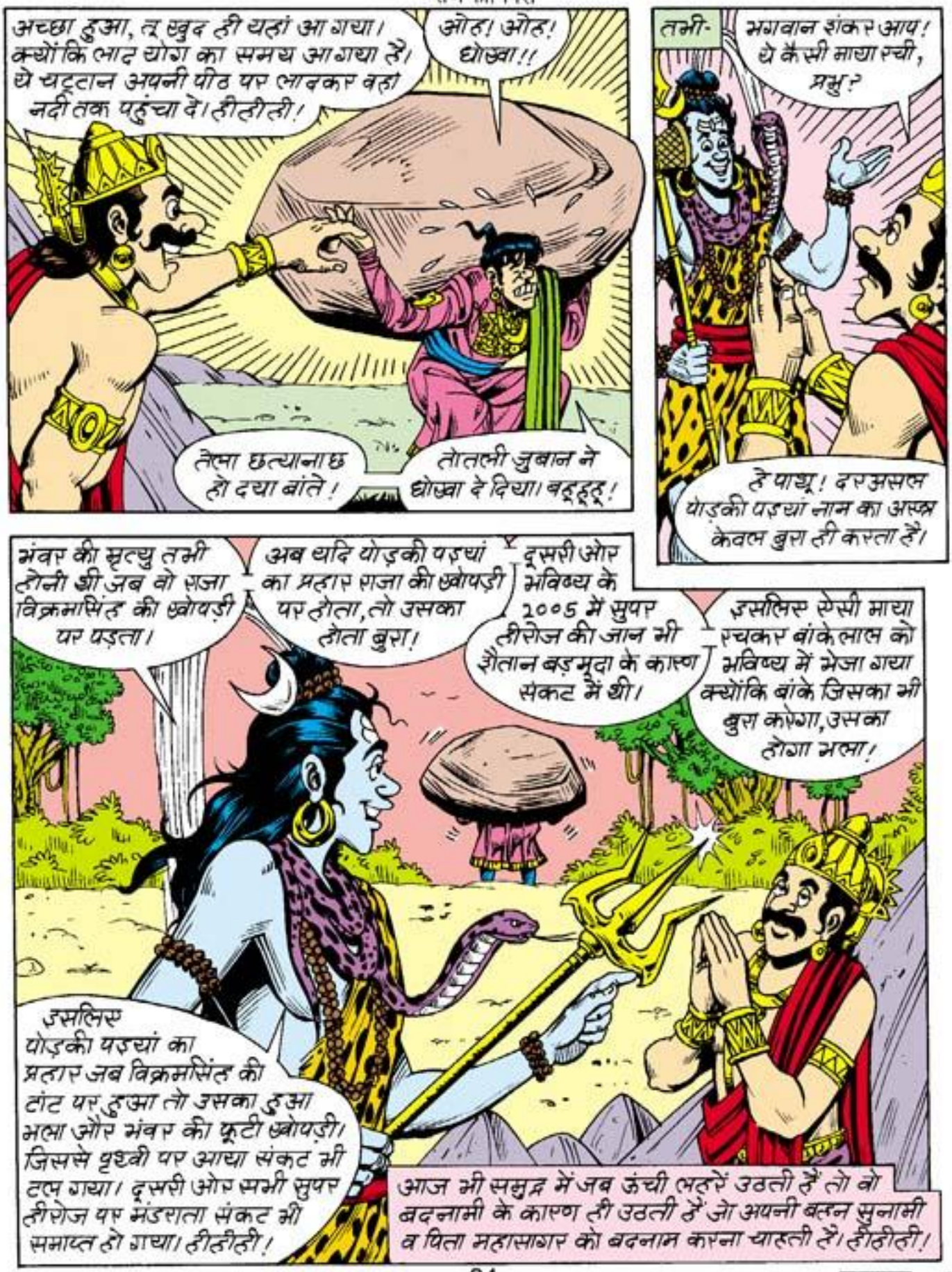

अच्छा हुआ, तू खुद ही यहां आ गया। क्योंकि भाद योग का समय आ गया है। ये चट्टान अपनी पीठ पर भादकर वहां नदी तक पहुंचा दे। हीहीही!
ओह! ओह! धोखा!!
तेला छत्यानाछ हो दया बांते!
तोतली जुबान ने धोखा दे दिया। बहूहूहू!
तभी-
भगवान शंकर आप! ये कैसी माया रची, प्रभु?
हे पाशू! दरअसल पोड़की पड़यां नान का अस्त्र केवल बुरा ही करता है।
भंवर की मृत्यु तभी होनी थी जब वो राजा विक्रमसिंह की खोपड़ी पर पड़ता।
अब यदि पोड़की पड़यां का प्रहार राजा की खोपड़ी पर होता, तो उसका होता बुरा!
दूसरी ओर भविष्य के 2005 में सुपर हीरोज की जान भी शैतान बड़मूदा के कारण संकट में थी।
इसलिए ऐसी माया रचकर बांकेलाल को भविष्य में भेजा गया क्योंकि बांके जिसका भी बुरा करेगा, उसका होगा भला!
इसलिए पोड़की पड़यां का प्रहार जब विक्रमसिंह की टांट पर हुआ तो उसका हुआ भला और भंवर की फूटी खोपड़ी। जिससे पृथ्वी पर आया संकट भी टल गया। दूसरी ओर सभी सुपर हीरोज पर मंडराता संकट भी समाप्त हो गया। हीहीही!
आज भी समुद्र में जब ऊंची लहरें उठती हैं तो वो बदनामी के कारण ही उठती हैं जो अपनी बहन सुनामी व पिता महासागर को बदनाम करना चाहती हैं। हीहीही!

समाप्त